INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-133 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 9 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

युवाओं को निगल रहा साइबर ठगी का खतरनाक खेल

साइबर अपराध की पाठशाला बने मथुरा के कई गांव

गांवों में बदलता अपराध का चेहरा

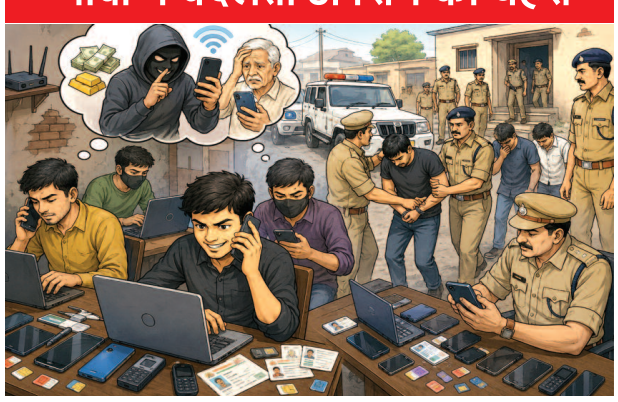

यूनिक समय, मथुरा। अब जिले के कुछ गांव एक बार फिर साइबर अपराध की वजह से चर्चा में हैं। पुलिस लगातार बड़े स्तर पर अभियान चलाकर साइबर अपराधियों पर शिकंजा कस रही है, लेकिन इसके बावजूद कई गांवों में यह अवैध कारोबार गहरी जड़ें जमा चुका है।

बीते सात जुलाई को एसएसपी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में 28 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। कई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में 90 संदिग्धों से पूछताछ की गई, जिनमें से 42 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उनके कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, आधार कार्ड और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं, जबकि पुलिस की टीमें अभी भी फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

सोने की ईंट से चला अभियान अब आया ओटीपी से ठगी पर

कई गांवों में गहरी जड़ें जमा चुका है शातिरों का कारनामा

यह पहला अवसर नहीं है, जब मथुरा पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की हो। दिसंबर 2025 में गोवर्धन थाना क्षेत्र के देवसेरस, मुड़सेरस, मड़ौरा और नगला मेव गांवों में लगभग 300 पुलिसकर्मियों और पीएसी के साथ बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर 37 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 22 फरवरी 2026 को शेरगढ़ क्षेत्र में चलाए गए ऑपरेशन बजरंग के दौरान 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मार्च 2026 में साइबर थाना पुलिस ने भी पांच शातिर अपराधियों को पकड़कर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का खुलासा किया था।

पुलिस की जांच और स्थानीय लोगों के अनुसार गोवर्धन, बरसाना, शेरगढ़ और कोसीकलां थाना क्षेत्रों के कई गांव साइबर अपराध के केंद्र बनते जा रहे हैं।

कोसीकलां के नगला सिरौली और नगला उटावर, शेरगढ़ के जंघावली और विशंभरा, गोवर्धन और बरसाना क्षेत्र के कुछ गांवों में बड़ी संख्या में युवक साइबर ठगी से जुड़े बताए जाते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले इन गांवों में सक्रिय अपराधी लोगों को सस्ते दाम पर सोने की ईंट दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे। ऐसे ठगों को स्थानीय भाषा में "टटलू" कहा जाता था। समय के साथ उन्होंने अपना तरीका बदल लिया और अब डिजिटल माध्यम से साइबर ठगी को अपना मुख्य धंधा बना लिया है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि लगातार दबिश, तकनीकी निगरानी और कानूनी कार्रवाई से इस नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। युवाओं को वैकल्पिक रोजगार, डिजिटल जागरूकता और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से अपराध की राह से हटाना भी उतना ही आवश्यक है। तभी मथुरा के इन गांवों को साइबर अपराध की पहचान से बाहर निकालना संभव होगा।

नगला सिरौली की 90 प्रतिशत आबादी जुड़ी है अपराध से

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव सिरौली में तो मानों साइबर पाठशाला संचालित होती हो। इस गांव में तो 90 प्रतिशत लोग साइबर ठगी के धंधे से जुड़े हैं। नगला सिरौली में करीब छह सौ मकान है। इस आबादी में अधिकांश लोग साइबर ठगी के धंधे से जुड़े बताए जा रहे हैं। यहां कोई ऐसा घर नहीं है जो इस धंधे में न लगा हो। ऐसा ही हाल नगला उटावर का है। कहने को ये गांव काफी बड़ा है। यहां के पचास प्रतिशत लोग साइबर ठगी के धंधे से जुड़े हैं। पुलिस की टीमे आज भी साइबर अपराधियों की तलाश में वहां तलाशी अभियान चला रही है। शेरगढ़ थाने के गांव जंघावली और विशंभरा और बरसाना के गांव हाथिया और गोवर्धन के गांव देवसेरस, मड़ौरा में भी साइबर ठगी के धंधे से बढ़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने जिस तरह अब कार्रवाई की है, उसी तरह की लगातार कार्रवाई होती रहे तो साइबर अपराध करने वालों की कमर टूट जाएगी।

रोजगार मेलों के बावजूद 32 हजार युवाओं को नौकरी का इंतजार

45 रोजगार मेले भी नहीं बदल सके बेरोजगारी की तस्वीर

युवाओं की पहुंच से दूर है जिला सेवायोजन कार्यालय

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किए गए रोजगार मेले अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके हैं। बीते वित्तीय वर्ष में जिले में 45 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा आज भी रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। जिला सेवायोजन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, जिले में 32 हजार से अधिक पंजीकृत अभ्यर्थी रोजगार मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि रोजगार मेलों के आयोजन और वास्तविक नियुक्तियों के बीच अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है।

नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही रोजगार की तलाश करने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। विभागीय पोर्टल पर अब तक 308 नए युवाओं ने रोजगार प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें स्नाातक, परास्नातक, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और अन्य तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षित अभ्यर्थी शामिल हैं। युवाओं का कहना है कि रोजगार मेलों में अधिकांश निजी कंपनियां कम वेतन और सीमित सुविधाओं वाली नौकरियां लेकर पहुंचती हैं, जिससे योग्य अभ्यर्थी उन्हें स्वीकार करने से हिचकिचाते हैं।

जिला सेवायोजन अधिकारी सुगंधा जैन का कहना है कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए समय–समय पर रोजगार मेले, करियर परामर्श कार्यक्रम और कौशल विकास से जुड़े आयोजन किए जाते हैं। साथ ही निजी कंपनियों से समन्वय कर अधिक से अधिक रिक्त पद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान जिले में आयोजित रोजगार मेलों में 3558 युवाओं को नौकरी दिलाने का काम किया गया। अधिकारियों का दावा है कि आने वाले महीनों में बड़े स्तर पर रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय उद्योगों और प्रतिष्ठानों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा।

हरियाली तीज और जन्मोत्सव को सज रहा ठाकुरजी का श्रृंगार बाजार

लड्डू गोपाल के लिए झूला हो रहे हैं तैयार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में अभी करीब दो माह का समय शेष है, लेकिन यहां कारीगर और व्यापारी अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। कहीं ठाकुरजी के लिए आकर्षक झूले तैयार किए जा रहे हैं तो कहीं रंग–बिरंगी पोशाकों, मुकुट, पगड़ी और श्रृंगार सामग्री को अंतिम रूप दिया जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ–साथ विदेशों में स्थित श्रीकृष्ण मंदिरों से भी विशेष पोशाकों के ऑर्डर वृंदावन पहुंच रहे हैं।

व्यापारियों के अनुसार, फिलहाल गुरु पूर्णिमा की तैयारियों के चलते बाजार में विशेष चहल–पहल है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु अपने घरों के मंदिरों में विराजमान ठाकुरजी के लिए पोशाक, आभूषण और श्रृंगार सामग्री खरीदते हैं। गुरु पूर्णिमा के बाद पूरा बाजार हरियाली तीज, झूलन उत्सव, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और नंदोत्सव की तैयारियों में पूरी तरह जुट जाएगा।

हरियाली तीज से शुरू होने वाले झूलन उत्सव में ठाकुरजी को सुंदर झूलों में विराजमान कर झुलाने की परंपरा है। इसे देखते हुए लकड़ी, धातु और सजावटी सामग्री से बने आकर्षक झूले तैयार किए जा रहे हैं। झूलों की कीमत लगभग 500 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक है। वहीं, जन्माष्टमी और अगले दिन नंदोत्सव के लिए विशेष श्रृंगार और पोशाकों की भी अच्छी मांग रहने की उम्मीद है।

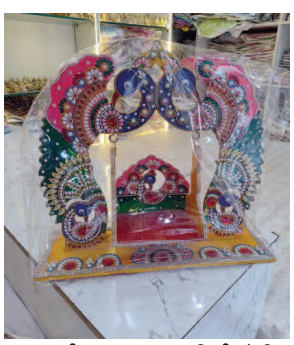

वृंदावन की एक दुकान पर बिक्री के लिए रखा झूला।

एक दुकान पर सजे धजे बैठे लड्डू गोपाल का विग्रह।

हरियाली तीज और नंदोत्सव में झूलेंगे ठाकुरजी

वृंदावन के व्यापारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की विशेष इच्छा रहती है कि वे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और लीलास्थली से ही अपने ठाकुरजी के लिए पोशाक और श्रृंगार सामग्री लेकर जाएं। यही कारण है कि हर वर्ष देश–विदेश से बड़ी संख्या में ऑर्डर यहां पहुंचते हैं। इन दिनों लड्डू गोपाल के लिए आकर्षक पगड़ियों की भी नई–नई डिज़ाइन बाजार में उपलब्ध हैं, जिन्हें श्रद्धालु खूब पसंद कर रहे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि हरियाली तीज से शुरू होने वाला धार्मिक उत्सवों का सिलसिला इस बार भी बाजार में अच्छी रौनक और कारोबार लेकर आएगा।

डिब्बा बंद खाने से बिगड़ रहा पेट पाचन तंत्र का सिस्टम खराब

गैस और अपच की समस्या से ग्रस्त हो रहे बच्चे और बुजुर्ग

यूनिक समय, मथुरा। भागदौड़ और बदलती जीवन शैली, गांव से शहर की ओर पलायन की वजह अब पेट समस्या बनकर सामने आ रही है। एकल परिवार और खाना बनाने से दूरी की खराब आदत ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का प्रयोग बढ़ा दिया है। इसी वजह से अब लोगों में पाचन संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। बच्चे और बुजुर्ग इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ऐसी समस्या से जूझते करीब 30 हजार मरीज जनवरी से जून तक जिला अस्पताल में उपचार लेने को पहुंचे हैं।

जिला अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, हर महीने चार से पांच हजार मरीज पाचन संबंधी समस्याओं के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों के पाचन तंत्र पर देखा जा रहा है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गौरव अग्रवाल ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि खाया गया भोजन आहार नाल से होते हुए पेट तक पहुंचता है। शरीर के रासायनिक पदार्थ भोजन से क्रिया कर रस निकालते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में मौजूद तत्व इस प्राकृतिक प्रक्रिया को बाधित कर सकते हैं। शहर में जगह की कमी है, स्वच्छता की जरूरतों के कारण लोग पशुपालन नहीं करते हैं। इससे उन्हें ताजा दूध, दही और मठ्ठा जैसे उत्पाद नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में अधिकतर लोग डिब्बाबंद दूध, दही और अन्य खाद्य पदार्थों का प्रयोग करते हैं। ऐसे उत्पाद अक्सर पाचन संबंधी बीमारियों का कारण बनते हैं।

छह महीने में जिला अस्पताल पहुंचे मरीज

जनवरी	4667
फरवरी	4211
मार्च	4978
अप्रैल	5123
मई	5448
जून	5496

बच्चों और बुजुर्गों में कम होती है पाचन की क्षमता

जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी का कहना है कि भोजन को मुख्य रूप से कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा और अल्प मात्रा में विटामिन,खनिज लवणों की जरूरत होती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ पाचन प्रक्रिया को बिगाड़ देते हैं इससे लोग पाचन संबंधी बीमारियों का शिकार होते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में पाचन की क्षमता कम होती है, इसलिए वे जल्दी इन बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

योग से भी मजबूत होता है पाचन तंत्र

योग आचार्य गोपाल शर्मा ने बताया कि योग से भी पाचन तंत्र मजबूत होता है। गलत भोजन, गलत जीवनशैली और तनाव से उत्पन्न विष को शरीर से बाहर निकालने में मदद मिलती है। त्रिकोण आसन के जरिये भूख में वृद्धि, पाचन क्रिया को ठीक और कब्ज को दूर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पश्चिमोत्तानासन से कब्ज दूर होता है। पवनमुक्तासन से गैस संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है।

बीमारियों के कारण

जल्दी-जल्दी खाना, बहुत अधिक मात्रा में खाना, देर रात भारी भोजन करना, बहुत अधिक मसालेदार, वसायुक्त या खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन करना, धूम्रपान-शराब का अत्यधिक सेवन करना, खाने के तुरंत बाद सो जाना या लेटना, तनाव और चिंता में रहना।

बचाव के उपाय

भोजन धीमे-धीमे चबाकर खाएं, फाइबर युक्त संतुलित आहार लें, हर भोजन के बाद 15-20 मिनट की सैर करें। डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें,पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

हरी और पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें

सीएमएस डा. नीरज अग्रवाल ने बताया कि पाचन तंत्र बिगड़ने की बड़ी वजह दूषित पानी भी है। दूषित पानी का सेवन करने से बचें। सब्जियों की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हरी और पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें। भोजन पूरी तरह से पकाकर खाएं।

बिना बताए उपभोक्ता का बढ़ा दिया बिजली का लोड़

हजारों उपभोक्ताओं की जेब पर वार

3,522 कनेक्शनों में 14 मेगावाट की वृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बिजली उपभोक्ताओं पर विद्युत विभाग ने बड़ा लोड बढ़ाकर आर्थिक बोझ डाल दिया है। विभाग की ओर से 3,522 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शनों का कुल 14 मेगावाट लोड बढ़ाया गया है। इससे अब इन उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अधिक फिक्स चार्ज और अन्य निर्धारित शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। विभाग की इस कार्रवाई का सीधा असर हजारों उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, विभाग ने अलग-अलग श्रेणी के घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के कनेक्शनों का लोड बढ़ाया है। लोड बढ़ने के बाद संबंधित उपभोक्ताओं का मासिक बिजली बिल भी बढ़ना तय माना जा रहा है। यहीं नहीं, लोड बढ़ने से केवल बिजली की खपत ही नहीं, बल्कि निर्धारित फिक्स चार्ज में भी वृद्धि होती है, जिसका अतिरिक्त भार उपभोक्ताओं को वहन करना पड़ता है। अब कनेक्शनों का लोड बढ़ने से उनकी मासिक बिजली लागत और बढ़ने की संभावना है। इससे मध्यम वर्ग और सामान्य परिवारों की घरेलू बजट पर भी असर पड़ सकता है।

लोड बढ़ने से बिजली व्यवस्था को तकनीकी रूप से संतुलित रखने और वास्तविक उपयोग के अनुरूप कनेक्शन अपडेट करने की लोगों को जानकारी दी जा रहीं है।

बिजली घर पर मौजूद उपभोक्ता मोहन सिंह का कहना है कि बिना जानकारी और जागरूकता के लोड बढ़ाए जाने से उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। पहले से बढ़ते बिजली खर्च के बीच यह निर्णय आम उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन सकता है। उपभोक्ता ने कहा कि लोड बढ़ने से विभाग के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी, क्योंकि फिक्स चार्ज और अन्य शुल्क के माध्यम से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। दूसरी ओर उपभोक्ताओं को हर महीने अधिक राशि का भुगतान करना पड़ेगा।

दहेज हत्या में तीन गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित तरुण निवासी ओमनगर,चामुंडा कॉलोनी, कृष्ण कुमार उर्फ कान्हा और एक महिला अभियुक्त को गायत्री तपोभूमि के समीप से गिरफ्तार किया है।

बस स्टैंड रेलवे पुल के नीचे से यातायात शुरू

बस स्टैंड से ही होने लगा बसों को संचालन

लोहे का स्ट्रक्चर लगाने को कर ली है तैयारी

गुरुवार सुबह नए बस स्टैंड से सवारी भरकर ले जाती रोडवेज बसें।

नए बस स्टैंड के समीप रेलवे के पुल से निकलते टेंपो और ई-रिक्शा।

यूनिक समय, मथुरा। नए बस स्टैंड के रेलवे पुल के नीचे चल रहा काम पूरा होने के बाद इस मार्ग को वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया गया। अब बसों का संचालन भी नए बस स्टैंड से होने लगा है। रेलवे के काम की वजह से इस अंडरपास से चार पहिया वाहनों का आवागमन करीब 14 दिन बंद रहा था।

मथुरा जंक्शन और भूतेश्वर के बीच केवल तीन रेलवे लाइनें होने से आए दिन सुपरफास्ट और मालगाड़ियों को आउटर पर इंतजार करना पड़ता है। इस समस्या के निदान के लिए रेलवे की ओर से भूतेश्वर और जंक्शन के बीच चौथी और पांचवीं लाइन बिछाने को नए बस स्टैंड अंडरपास को 24 जून से काम के लिए बंद किया गया था। यहां से केवल दो पहिया वाहनों को आने- जाने का रास्ता बनाया गया। 14 दिन के इस काम के दौरान रेलवे की टीम ने नए बस स्टैंड के सामने से दोनों ओर की सड़क को मशीन से काटने का काम पूरा किया। अब सड़क के नीची होने से बसों का आवागमन भी होगा, लोहे के सुरक्षा द्वार में कोई बस फंसेगी भी नहीं। वहीं, नगर निगम का कहना है कि भूतेश्वर और नए बस स्टैंड रेलवे अंडापास का काम के होने से अब पानी का जमाव नहीं होगा।

नए बस स्टैंड के इस रेलवे अंडरपास के दोनों ओर से चौथी और पांचवीं लाइन बिछाने का काम भी होना है, स्टेट बैंक की ओर से आने वाले पुल के हिस्से पर यह काम पूरा हो गया है। अब नए बस स्टैंड की ओर वाले पुल के हिस्से पर लोहे का स्ट्रक्चर लगाने को मजदूर तैयारी में जुटे हैं। इस स्ट्रैक्टचर को रात के समय मशीनों से सही स्थान पर फिट किया जाएगा।

भक्तमाल कुंज गेस्ट हाउस में धुआं निकलते देख मची अफरा-तफरी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित पांच मंजिला भक्तमाल कुंज गेस्ट हाउसे में गुरुवार सुबह शॉर्ट सर्किटे से अचानक आग लगने की खबर से गेस्ट हाउस में ठहरे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। गेस्ट हाउस में महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से आए श्रद्धालु वहां ठहरे हुए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु सुबह मंदिर दर्शन के लिए गए हुए थे। जब वे वापस लौटे तो गेस्ट हाउस की ऊपरी मंजिलों से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे इमारत में मौजूद

लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, तीसरी मंजिल पर फंसे कुछ लोगों ने खिड़की तोड़कर चादरों की रस्सी बनाकर नीचे उतरने का प्रयास भी किया। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन सिलेंडर) की मदद से आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। कई श्रद्धालुओं की जान सुरक्षित बच गई। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मामले की जांच की जा रही है।

राल और खुशीपुरा में विजिलेंस का शिकंजा, सात उपभोक्ता पकड़े

यूनिक समय, मथुरा। बिजली विभाग की विजिलेंस और शहरी रेड्स टीम ने गुरुवार को हाई लाइन लॉस वाले राल फीडर से जुड़े राल और खुशीपुरा गांव में जांच अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान सात स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई। टीम ने मौके से अवैध केबल जब्त कर संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली चोरी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। अभियान के दौरान टीम ने घरों के अंदर लगे करीब पांच दर्जन बिजली मीटरों को बाहर लगवाया, ताकि मीटर रीडिंग और निगरानी में पारदर्शिता बनी रहे।

कार्रवाई के दौरान दोनों गांवों में हड़कंप मच गया और कई उपभोक्ताओं ने अपने बिजली कनेक्शनों की स्थिति दुरुस्त कराई।

बिजली विभाग के अनुसार, राल फीडर पर लाइन लॉस और राजस्व हानि अधिक होने के कारण यहां

हाई लाइन लॉस फीडर पर चला अभियान

कई मीटर बाहर लगाए गए और केबल जब्त

विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग के निर्देश पर विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, सहायक अभियंता (रेड्स) सतेन्द्र, सहायक अभियंता शुभम अग्रवाल, अवर अभियंता किशन, पवन, भरत और राजकुमार वर्मा ने संयुक्त टीम के साथ कार्रवाई की। सहायक अभियंता शुभम अग्रवाल ने बताया कि राल फीडर पर लाइन लॉस अधिक होने के कारण लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं शहरी अधीक्षण अभियंता मुदित तिवारी ने कहा कि हाई लाइन लॉस वाले सभी फीडरों पर ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पुलिस ने मालिक को खोजा फिर लौटाए दो लाख रुपये

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने भैंस बहोरा इलाके में गिरे एक युवक के दो लाख रुपयों को सीसीटीवी केमरों की मदद से तलाशने के बाद उसे लौटा दिए। इतनी बढ़ी रकम लौटाने पर युवक ने पुलिस की भ प्रशंसा की।

गुजरात से आए एक युवक ने अपनी मां के लिए मकान बनाने के लिए दो लाख रुपये बैंक से निकाले थे। रुपये ले जाने के दौरान उसके दो लाख रुपये भैंस बहोरा इलाके में कहीं गिर गए। काफी तलाश करने के बाद भी रुपये नहीं मिले। युवक ने कोतवाली में इस बात की शिकायत की। पुलिस ने तुरंत इस मामले में कार्रवाई की। पुलिस ने उन सभी कैमरों की फुटेज चेक की,

नकदी ले जाने वाले की पहचान कर रुपये किए बरामद

जिस रास्ते से युवक आया था। पुलिस को सीसी कैम में पैसे उठाते हुए एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसका पीछा किया और उस व्यक्ति के बारे में पहचान की। पुलिस ने रुपये उठा कर ले जाने वाले व्यक्ति की पहचान करने के बाद रुपये बरामद करने के बाद कोतवाली में जमा कर दिए। पुलिस ने युवक को बुलाने के बाद बरामद दो लाख रुपये उसे सौंप दिए। युवक ने रुपये मिलने पर पुलिस को धन्यवाद दिया।

जान लेवा हमले के अभियुक्त की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एंव सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने घर में घुसकर महिला और उसके पति पर लाठी-सरियों से जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त की जमानत खारिज कर दी है।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि थाना बरसाना इलाके में रहने वाली महिला लच्छो के घर में घुसकर उसके गांव के कुमर सिंह, राजेंद्र और गोविंद ने गाली गलौच की। विरोध करने पर हमलावरों ने महिला और उसके पति रमरतन सिंह के साथ मारपीट की। रामरतन को हमलावर मारपीट मरा समझकर छोड़ गए। रामरतन के हमले में चार चोट आई। सिर में लगी चोट इतनी खतरनाक

घर में घुसकर की थी घायल और उसकी पत्नी से मारपीट

थी कि उससे वह मर सकता था। कुमर सिंह की जमानत के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया था।

जमानत प्रार्थना पत्र पर दोनों पक्षों के वकीलों की दलील न्यायाधीश ने सुनी। डीजीसी ने विरोध करते हुए कहा कि कुमर सिंह के सह अभियुकों की जमानत पहले ही खारिज हो चुकी है। रामरतन को आई चोट भी गंभीर है। इसके लिए उसको जमानत नही दी जा सकती है।

पत्नी को जलाने में कोर्ट ने पति को दोषी ठहराया

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या-3 डॉ. पल्लवी अग्रवाल ने दहेज की खातिर पत्नी को जला कर मारने वाले अभियुक्त को पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया है, अन्य अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने अवनीश उपाध्याय ने बताया कि औरंगाबाद की रहने वाली निर्मला पत्नी बच्चू सैनी ने थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसने अपनी बेटी अनीता की शादी सतोहा थाना हाईवे निवासी बनवारी पंत्र हरिओम के साथ की थी। ये लोग अतिरिक्त दहेज में मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। हम लोगों ने इन्हें कई बार समझाया, इसके बाद भी ससुराली आए दिन अनीता के साथ मारपीट करते रहते थे। 20 मार्च 2019 को फोन पर सूचना मिली की अनीता सिटी हॉस्पिटल में है। वहां जाकर देखा तो अनीता 50 प्रतिशत जली हुई थी। इन लोगों ने बेटी पर मिट्टी का तेल डालकर जला दिया

अन्य सह अभियुक्तों को किया दोषमुक्त

है। इस मामले में पति बनवारी, ससुर हरिओम , देवर कन्हैया पर आरोप लगे। अनीता को इलाज के लिए जयपुर ले जाया गया।

विवेचक ने अनीता का बयान लिया तो उसने बताया कि वह अपने कमरे मे थी, ससुर हरिओम, पति बनवारी, देवर कान्हा, चचिया ससुर बंटी और ददिया सास लक्ष्मी दहेज के लिए ताने देती थी। इन लोगों ने मिट्टी का तेल डालकर जला दिया। इस दौरान अनीता का मृत्यु हो गई।

विवेचक ने इन लोगों के नाम भी इस मामले में शामिल कर लिए। पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने पति बनवारी, ससुर हरिओम, देवर कन्हां अदि को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इस मामले में सभी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या-3 डॉ. पल्लवी अग्रवाल की कोर्ट में हुई न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर बनवारी को पत्नी अनीता की हत्या का दोषी ठहराया, जबकि अन्य अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया।

तीन दिन की बारिश में बिजली ने भी फरमाया आराम

यूनिक समय, मथुरा। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश ने केवल लोगों को ही भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं दी, बल्कि बिजली व्यवस्था को भी कुछ समय के लिए राहत का मौका दे दिया। पिछले कई सप्ताह से कूलर और एसी के लगातार चलने से बिजली की मांग चरम पर थी, लेकिन मौसम बदलते ही हालात पूरी तरह बदल गए हैं। बारिश के बाद तापमान में आई गिरावट का असर पूरे जिले में साफ दिखाई दे रहा है। जहां कुछ दिन पहले तक दिन-रात कूलर और एसी चलते थे, वहीं अब अधिकांश घरों में केवल पंखे ही चल पा रहे है। बिजली की मांग कम होने से ट्रांसफार्मरों और बिजली लाइनों पर भी कुछ घंटों के लिए भार घटा है। गर्मी के दिनों में अधिक लोड के कारण जिस व्यवस्था पर लगातार दबाव बना रहता था, अब उसे राहत मिल रही है।

सावधान ! बारिश में गिर सकते हैं जर्जर भवन

बारिश बढ़ते ही बढ़ा खतरा, प्रशासन जारी करेगा नोटिस

शहर में ऐसे भवन बने लोगों की जान के लिए जोखिम

घीयामंडी में जर्जर मकान की बालकनी।

कुशक गली में मुख्य मार्ग पर जर्जर हालात में मकान।

नया बाजार स्वामी घाट के पास जर्जर हाल में मकान और दुकान।

छत्ता बाजार में गिरासू हालत में छज्जा।

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के सक्रिय होने के साथ ही जिले में लगातार वर्षा का दौर शुरू हो गया है। ऐसे में शहर और कस्बों में वर्षों पुराने और जर्जर हो चुके भवन लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। बारिश के दौरान कमजोर दीवारों और छतों में सीलन बढ़ने से भवन कभी भी भरभराकर गिर सकते हैं। हाल ही में वृंदावन में जर्जर छज्जे गिरने की घटनाओं के बाद जिला प्रशासन और नगर निगम ने मथुरा और वृंदावन के ऐसे भवनों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। वृंदावन के बाद अब निगम प्रशासन मथुरा के ऐसे भवन स्वामियों को नोटिस जारी करने की तैयारी कर रहा है, ताकि समय रहते मरम्मत या ध्वस्तीकरण कराया जा सके।

नगर निगम के अभिलेखों के अनुसार, मथुरा शहर में करीब 125 जर्जर भवन चिन्हित किए गए हैं। इनमें से अधिकांश भवन पुराने शहर के घनी आबादी वाले छत्ता बाजार, विश्राम घाट, घीया मंडी, होली गेट, भरतपुर गेट, कृष्णानगर, डीग गेट और आसपास के मोहल्लों में स्थित हैं। कई भवन तो दशकों पुराने हैं और उनकी दीवारों में बड़ी–बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। कुछ भवन ऐसे भी हैं जिनमें आज भी परिवार रह रहे हैं या नीचे दुकानें संचालित हो रही हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है।

प्रशासन का कहना है कि लगातार बारिश होने पर इन भवनों की स्थिति और कमजोर हो सकती है। इसलिए भवन स्वामियों को नोटिस देकर तत्काल मरम्मत कराने अथवा भवन खाली कराने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं की गई तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगा।

नगर निगम अधिकारियों ने नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी जर्जर भवन में रहने या उसके आसपास अनावश्यक रूप से खड़े होने से बचें। यदि किसी भवन में दरार, झुकाव या छत से मलबा गिरने जैसी स्थिति दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत नगर निगम या जिला प्रशासन को दें।

जागरुक लोगों का कहना है बरसात के दौरान जर्जर भवनों का नियमित निरीक्षण और समय पर ध्वस्तीकरण ही बड़े हादसों को रोक सकता है। प्रशासन की सख्ती और भवन स्वामियों की जिम्मेदारी से ही जनहानि की आशंका को कम किया जा सकता है। मानसून के पूरे मौसम में पुराने भवनों की निगरानी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी रहेगी। ऐसे में प्रशासन को कड़ाई से कार्रवाई करनी चाहिए।

बेटी बचाओ के संग लौटेगी ब्रज की हरियाली

बरारी के लाडली वन में डीएम और सीडीओ ने रोपे पौधे

विधायक, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, अन्य की रही सहभागिता

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव बरारी गोशाला के समीप पौधारोपण के बाद स्कूली विद्यार्थियों के साथ विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, सीडीओ पूजा गुप्ता आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री के आह्वान पर चल रहे एक पेड़ मां के नाम वृहद पौधारोपण अभियान के तहत जिले में 101 ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से लाड़ली वन–आओ लौटाएं ब्रज की हरियाली अभियान का शुभारंभ फरह ब्लाक की ग्राम पंचायत बरारी से किया गया। विधायक पूरन प्रकाश की उपस्थिति में एक वर्ग मीटर क्षेत्र में तीन हजार पौधे रोपित किए गए।

डीएम चंद्रप्रकाश के मार्गदर्शन और सीडीओ पूजा गुप्ता के नेतृत्व में संचालित अभियान लाड़ली वन में उच्च प्राथमिक विद्यालय की 50 छात्राओं ने पौधारोपण कर तीन–तीन पौधों को गोद लिया और उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प लिया। डीएम ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। डीएम ने सभी बीडीओ, सहायक विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देश दिए कि 12 जुलाई तक शेष 100 लाड़ली वन स्थापित करने का कार्य पूरा किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कंसल्टिंग इंजीनियरों और सचिवों को बरारी में अपनाई गई तकनीक का अध्ययन कर अन्य चयनित ग्राम पंचायतों में भी इसी मॉडल पर लाड़ली वन विकसित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर डीएम ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और वृक्ष लगाओ का संदेश देते हुए ब्रज की हरियाली लौटाने का आह्वान किया। विधायक पूरन प्रकाश ने अभियान की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण और बेटियों के सम्मान से जुड़ी प्रेरणादायक पहल बताया और सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। इस मौके पर डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह, बीडीओ प्रवीन कुमार झा, बीडीओ बल्देव नेहा रावत, शिक्षक संजीव यादव, प्रधान आदि मौजूद रहे।

नेतृत्व के तीन स्वर्णिम वर्ष पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पौधारोपण करते हुएसंस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल,वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और गवर्निंग बोर्ड सदस्य विशाल गोयल।

बीएसए इंजीनियरिंग कालेज में प्रबंधन समिति के सफल तीन वर्ष पूर्ण होने पर हरियाली का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और एएसएम पॉलिटेक्निक मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम बीएसए इंजीनियरिंग कालेज में प्रबंधन समिति के सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और गवर्निंग बोर्ड सदस्य विशाल गोयल सहित अन्य सदस्यों द्वारा कॉलेज परिसर में पौधारोपण कर किया गया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि संस्थान की वर्तमान प्रबंधन समिति ने अपने सफल नेतृत्व के तीन वर्ष पूर्ण किए हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो श्याम सुंदर अग्रवाल, विभिन्न पदाधिकारी, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में कार्यकर्ताओं के साथ दर्शन करते सपा सांसद सनातन पांडेय।

लखनऊ में पांच अगस्त को जनेश्वर मिश्र जयंती पर होगा ब्राह्मण सम्मेलन

यूनिक समय, वृंदावन। समाजवादी पार्टी की ओर से पांच अगस्त को स्व. जनेश्वर मिश्र की जयंती पर लखनऊ में बलिया से पार्टी के सांसद सनातन पांडेय की अध्यक्षता में ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन होगा। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक समरसता और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। सांसद सनातन पांडेय ने ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन–पूजन किया। उन्होंने प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की कामना की। इस अवसर पर सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार, महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच समाजवादी विचारधारा को पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

सीधी बस सेवा की मांग को परिवहन विभाग ने किया खारिज

परमिट के पेंच में फंसी हजारों यात्रियों की उम्मीद

बाजना–नौहझील मार्ग पर सीधी बस सेवा की मांग ठुकराई

यूनिक समय, बाजना। नौहझील क्षेत्र के हजारों निवासियों की सालो पुरानी मांग को लेकर ने जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत पर परिवहन विभाग ने अपना जवाब दर्ज किया है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि इस मार्ग पर सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू होने से हजारों छात्रों, युवाओं और श्रमिकों को राहत मिलेगी, लेकिन विभाग ने इसे फिलहाल संभव नहीं बताया है।

शिकायत दर्ज कराने वाले शिवम सूर्यवंशी ने बताया कि बाजना कस्बा आसपास के 50 से अधिक गांवों का मुख्य केंद्र है। शिक्षा और रोजगार की तलाश में यहां से रोजाना सैकड़ों लोग जान जोखिम में डालकर पलवल, बल्लभगढ़ और फरीदाबाद की यात्रा करते हैं। सीधी सरकारी बस सेवा न होने के कारण यात्रियों को मजबूरन असुरक्षित डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे न केवल जेब पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है।

इस शिकायत पर मथुरा डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा जारी जांच आख्या में कहा गया है कि नौहझील से पलवल, बल्लभगढ़ और फरीदाबाद का मार्ग अन्य परमिटों से आच्छादित है, इसलिए मथुरा डिपो द्वारा उक्त मार्ग पर बस का संचालन करना फिलहाल संभव नहीं है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शिकायतकर्ता को फोन पर स्थिति से अवगत करा दिया गया है और वे इससे संतुष्ट हैं। परिवहन विभाग के इस जवाब से स्थानीय लोगों में काफी मायूसी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि प्रशासन ने समस्या की गंभीरता को समझने के बजाय परमिट का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लिया है।

यात्रियों का कहना है कि सरकार को परमिट की समस्या सुलझाकर जनता की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए के 3349 विद्यार्थियों को 640 कंपनियों से जॉब ऑफर

यूनिक समय, मथुरा। जब मेहनत को उत्कृष्ट मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और उद्योगों का विश्वास मिल जाए, तब सफलता इतिहास बन जाती है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है जीएलए यूनिवर्सिटी ने, जहां शैक्षणिक सत्र 2025–26 में 3349 विद्यार्थियों ने देश–विदेश की 640 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों से जॉब ऑफर लेकर सफलता का नया अध्याय लिख दिया। विश्वविद्यालय परिसर में इन दिनों उपलब्धियों, उत्साह और नए सपनों की चमक साफ दिखाई दे रही है।

नारायण दास अग्रवाल
कुलाधिपति

पिछले वर्ष 2500 से अधिक विद्यार्थियों के चयन के बाद इस बार 3349 प्लेसमेंट का आंकड़ा पार करना विश्वविद्यालय की बढ़ती शैक्षणिक गुणवत्ता, मजबूत इंडस्ट्री कनेक्ट और विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता का प्रमाण माना जा रहा है। यही कारण है कि देश की दिग्गज कंपनियां लगातार जीएलए यूनिवर्सिटी की ओर आकर्षित हो रही हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025–26 में सर्वाधिक नियुक्तियां कैपजेमिनी (310), कॉग्निजेंट (241), एक्सेंचर (170), इंफोसिस (64), ब्रिजलैब्ज सॉल्यूशंस (51), क्वालिटी ऑस्ट्रिया सेंट्रल एशिया (41), वीवो मोबाइल (37), जेआरजी ऑटोमोटिव इंडस्ट्रीज (36), लेंसकार्ट (35), डेलपैक लॉजिस्टिक्स (33), ग्लोबल लॉजिक (30), डायनामिक ट्रांसमिशन–टाइटवेल फास्टनर्स एंड न्यूडायनामिक (27), मेरिडियन सॉल्यूशंस (23), सुजुकी मोटरसाइकिल (20), इंपैम सिस्टम्स (20), अपोलो हॉस्पिटल्स (18), रेट्रोटेक बिजनेस सॉल्यूशन (17), एचडीएफसी लाइफ (16), मेरिट्टो (16), ट्रैवियो (15), आईसीआईसीआई बैंक (15), एनटीएफ इंडिया (15), एनआईटीएस सॉल्यूशंस (15), डेलॉइट (15), पाथकाइंड लैब्स (14), सिक्सप्ल (14), मिंडा कॉरपोरेशन (14), इंश्योरेंसदेखो (14), यूनो मिंडा (14), एयर फ्लो (13), जेटीकेटी इंडिया (13), पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट (12), हाई इम्पैक्ट कंसल्टेंट्स (12), एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स (12), वैल्यू प्रॉस्पेक्ट कंसल्टिंग (12), केयर हेल्थ इंश्योरेंस (12), गौरसन्स इंडिया (11), एम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया (11), चेतु सॉफ्टवेयर (11), जीलैब फार्मेसी (10), आईपीसीए लेबोरेटरीज (10), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस (10), न्यूजाइसा टेक्नोलॉजीज (10), थेल्स इंडिया (10), मैक्सिम एसएमटी टेक्नोलॉजीज (10), पारकर (10), आर.एस. इंफ्राप्रोजेक्ट्स (10), क्वेस्थायरिंग (10), वेबकुल सॉफ्टवेयर (10) और सीएमए सीजीएम (10) सहित शीर्ष 50 कंपनियों ने 1579 विद्यार्थियों को जॉब ऑफर दिए।

इसके अलावा 1770 विद्यार्थियों को एमिटी सॉफ्टवेयर, शार्पएसेट्स कंसल्टेंसी, इमर्जेंट लैब्स, वैल्यू4ब्रांड, कॉग्निसिएंट बिजनेस सॉल्यूशंस, फिसर्व इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ग्रेल रिसर्च, जेटीपी कंपनी, विकास ग्रुप, डिजीनेचर, मीटमक्स, स्प्रिंगवर्क्स, सिफी टेक्नोलॉजीज, स्टैकलिया सॉल्यूशंस, ट्रिलियनलोन्स, फ्यूसियोटेक, पॉली केम इंडिया, रुद्रा रिसर्च वर्क एजुकेशन, एयर डिस्ट्रीब्यूशन टेक्नोलॉजीज, एक्मे आउटसोर्सिंग सॉल्यूशंस, कॉन्टइवॉल्व, टाटा पावर, पब्लिसिस सैपिएंट, फिलिप्स लाइटिंग इंडिया (सिग्निफाई इनोवेशंस इंडिया), फोर्टीसिक्योर, एडूनेटवर्क (रेंटोमोजो), प्रेमास बायोटेक, इमर्सन ऑटोमेशन सॉल्यूशंस, हशीरा (कैटलॉग), हाइक एजुकेशन, वायुज टेक्नोलॉजीज, पॉसिस्ट टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एनएच आईसिक्योर, अल्पला ग्रुप, सीबीआरई इंडिया, प्लेन, वर्सुनी, केबी पॉलीकेम इंडिया, शॉपक्लूज, एलटीआईमाइंडट्री, कास्टमास्टर मोबिटेक इंडिया, इलेक्ट्रिकपी और मायएनाटॉमी जैसी कंपनियों ने विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली युवाओं का चयन किया। इसके साथ ही अमेजन डेवलपमेंट सेंटर, जेपी मॉर्गन चेस इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन, जसपे टेक्नोलॉजीज, फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया सहित अनेक राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी विद्यार्थियों को जॉब ऑफर प्राप्त हुए।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिलने वाले पैकेज की बात करें तो माइक्रोसॉफ्ट ने सर्वाधिक 60 लाख रुपये वार्षिक पैकेज ऑफर कर विश्वविद्यालय के छात्रों को नई ऊंचाई दी। वहीं एनजुमा ने 55 लाख रुपये, अमेजन ने 48 लाख और 44 लाख रुपये, पलोऑल्टो ने 41 लाख रुपये वार्षिक पैकेज देकर विद्यार्थियों की प्रतिभा पर भरोसा जताया। इन बड़े पैकेजों ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को नई ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह से भर दिया है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट सेल के अनुसार विद्यार्थियों को केवल कक्षा आधारित शिक्षा नहीं दी जाती, बल्कि उन्हें लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप, मॉक इंटरव्यू, तकनीकी कार्यशालाओं और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से कॉरपोरेट जगत के लिए तैयार किया जाता है। इसी का परिणाम है कि हर वर्ष प्लेसमेंट का ग्राफ नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियां केवल प्लेसमेंट तक सीमित नहीं हैं। संस्था को नैक द्वारा ए ग्रेड से मान्यता प्राप्त है, विश्वविद्यालय को देश के प्रमुख निजी विश्वविद्यालयों में लगातार स्थान मिल रहा है। टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग 2026 में विश्वविद्यालय को ऑल प्राइवेट यूनिवर्सिटीज श्रेणी में भारत में 18वां और उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2026 में ऑल प्राइवेट यूनिवर्सिटीज श्रेणी में भारत में 44वां और उत्तर प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल हुआ है। इसके अतिरिक्त एनआईआरएफ इनोवेशन रैंकिंग में विश्वविद्यालय को देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल किया गया है।

कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि जीएलए यूनिवर्सिटी का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं को ऐसा मंच देना है, जहां उनके सपनों को दिशा और सफलता को पहचान मिल सके। विद्यार्थियों का यह ऐतिहासिक चयन इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय में प्रतिभा, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का मजबूत वातावरण तैयार किया गया है। आने वाले समय में जीएलए यूनिवर्सिटी देश के युवाओं के लिए और भी बड़े अवसरों का केंद्र बनेगी।

उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट प्रक्रिया अभी भी जारी है और आने वाले समय में चयनित विद्यार्थियों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। लगातार बढ़ती उपलब्धियां यह साबित कर रही हैं कि जीएलए यूनिवर्सिटी आज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि सपनों को करियर में बदलने वाला सशक्त मंच बन चुकी है।

ब्रज की सांस्कृतिक पहचान है चरकुला लोकनृत्य : भाटिया

चरकुला लोकनृत्य कार्यशाला के समापन पर अतिथियों के साथ प्रतिभागी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। उप्र संस्कृति विभाग और वृंदावन शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय चरकुला लोकनृत्य कार्यशाला समापन हो गया।

पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने कहा कि चरकुला लोकनृत्य ब्रज की सांस्कृतिक पहचान- लोक आस्था का सशक्त प्रतीक है। इस प्रकार की कार्यशालाएं हमारी अमूल्य लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। संत गोविंदानंद तीर्थ ने भारतीय संस्कृति और ब्रज की लोकधरोहर के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। अध्यक्षता

चरकुला लोकनृत्य कार्यशाला का समापन

करते हुए संस्थान के अध्यक्ष रविन्द्र दत्त पालीवाल ने कहा कि ब्रज की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सभी का सामूहिक दायित्व है। संस्कृति विभाग सहयोग की सराहना करते हुए उन्होंने क हा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम लोककलाओं को नई ऊ र्जा प्रदान करते हैं, युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि संस्थान ब्रज की लोककलाओं, लोकसाहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्कृति निदेशालय के निदेशक विशाल सिंह और सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यशाला में खामनी, मांट, गोवर्धन, सौंख, मथुरा और वृंदावन से 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षिका शशि देवी और राजेश प्रसाद शर्मा ने प्रतिभागियों को चरकुला लोकनृत्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। संचालन ब्रज संस्कृति संग्रहालय की क्यूरेटर ममता गौतम ने किया। समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

टीईटी से छूट को लेकर शिक्षकों ने राज्यसभा सांसद को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश की जिला इकाई ने टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने तथा इसके लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम में आवश्यक संशोधन की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह के माध्यम से केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपा।

सांसद ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह शिक्षकों की मांग और उनकी आवाज को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखेंगे। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि टीईटी लागू होने के बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर भूतलक्षी (रेट्रोस्पेक्टिव) प्रभाव से लागू करना न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के विपरीत है। डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय के नियमों और निर्धारित योग्यताओं के आधार पर विधिवत हुई थी, उन्हें बाद में लागू किए गए नियमों के दायरे में लाना उचित नहीं है। अंजना शर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद देश और प्रदेश के लाखों ऐसे शिक्षकों में चिंता व्याप्त है। इस अवसर पर हेमराज सिंह, बच्चू सिंह, मनोज रावत, अशोक फौजदार, अविनाश शुक्ला, मनमोहन गौतम, दिगंबर सिंह, कृष्णकांत सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति को नौ अगस्त को होगी कार सेवा

यूनिक समय, राधाकुंड। श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिए चित्रगुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद ने अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक ठाकुर देवकीनंदन से मुलाक़ात की और नौ अगस्त क्रांति दिवस के दिन विवादित गुंबद तोड़ने के लिए समर्थन मांगा। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिए नौ अगस्त को एक और कार सेवा की जाएगी, इसके लिए ब्रजवासी, साधु-संत और धर्म गुरुओं से संपर्क कर कार सेवा में शामिल होने की गांव-गांव जाकर अपील की जा रही है।

जुल्हेंदी के ग्रामीणों ने श्रीराधाकृष्ण मंदिर में बैठक आयोजित की। ग्रामीणों ने विवादित गुंबद तोड़ने का समर्थन करते हुए स्वामी सच्चिदानंद को समर्थन दिया। रमाकांत दीक्षित ने बताया कि चित्र गुप्त पीठाधीश्वर

स्वामी सच्चिदानंद ने जन्म भूमि मंदिर को विवादित ढांचे से मुक्त कराने का संकल्प लिया है। इसके लिए गांव की सरदारी ने समर्थन किया है। वहीं सच्चिदानंद की इस घोषणा के बाद शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के सचिव-पक्षकार तनवीर अहमद का भी बयान सामने आया है। तनवीर अहमद ने कहा, जहां मामले न्यायालय में लंबित हों, वहां इस तरह के बयानबाजी ठीक नहीं है। न्यायालय पर ही सबको भरोसा है, संबिधान पर सबको भरोसा है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुए दो सड़क हादसों में चार घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस–वे पर दो अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग घायल हो गए। पहली दुर्घटना थाना जमुना पार में गुरुवार सुवह माइल स्टोन संख्या–107+550 पर हुई। यहां हुंडाई कार मारूति वैगनार कार से आमने सामने से टकरा गई। वहीं दूसरी दुर्घटना मांट थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के समीप हुई जहां स्कार्पियो कार आगे चलती कार में घुस गई।

यमुना एक्सप्रेस- वे पर थाना यमुनापार क्षेत्र के माइल स्टोन संख्या 107+550 पर हुई, यहां एक मारुति कार विपरीत दिशा से आती स्कार्पियो से टकरा गई। हादसे में दो लोग घायल हो गए । यमुना एक्सप्रेस –वे की एंबुलेंस ने मौके पर पहुंच कर एक घायल को भास्कर हॉस्पिटल मथुरा और दूसरे घायल को महादेवी हॉस्पिटल राया में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

वहीं, दूसरी दुर्घटना थाना मांट क्षेत्र के मांट टोल पर हुई, जब तेज और लापरवाही से चल रही एक स्कॉर्पियो ने

एक्सप्रेस वे की एम्बुलेंस ने घायलों को पहुंचाया हॉस्पिटल

सामने चल रही कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में भी दो लोग प्रहलाद (34)निवासी मैनपुरी, हरी किशन (18) निवासी एत्मादपुर आगरा घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल मथुरा भेजा गया। दोनों मामलों में पुलिस ने जानकारी करने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भगवान दास स्मृति ट्रस्ट (पंजीकृत) द्वारा संचालित The Millennium School, Near Radha Valley, NH-19, Mathura का नाम परिवर्तित कर Seth M. R. Jaipuria School, Mathura किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपने लिखित प्रमाण सहित सचिव, श्री भगवान दास स्मृति ट्रस्ट, अग्रसेन चौक, मसानी, मथुरा के पते पर प्रस्तुत करें।

आरआईएस के स्केटर लक्ष ने अंतरराष्ट्रीय खेल में बढ़ाया ब्रज का मान

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के ब्राइट स्टार स्केटर लक्ष शर्मा ने अपने नाम एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर समूची दुनिया में ब्रज मंडल का गौरव बढ़ाया है। होनहार लक्ष की असाधारण उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिलने के बाद अब उसका नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हो गया है। इतनी कम उम्र में यह रिकॉर्ड बनाने वाला लक्ष देश का पहला स्केटर है। लक्ष की इस शानदार सफलता से उसके माता–पिता और स्कूल प्रबंधन बेहद खुश है।

अब तक दर्जनों गोल्ड मेडल, ट्रॉफियां जीतने वाले लगभग सात साल के लक्ष शर्मा ने 15 फरवरी, 2026 को ऐसा कारनामा अंजाम दिया था, जोकि इससे पहले देश के किसी बच्चे ने नहीं किया था। लक्ष शर्मा ने वृंदावन की

ब्राइट स्टार लक्ष शर्मा को प्रोत्साहित करते हुए स्कूल की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा।

व्यस्ततम सड़क पर 39 मिनट, 34 सेकेंड और 55 मिली सेकेंड में 13.03 किलोमीटर की दूरी तय कर हर किसी की वाहवाही लूटी थी। लक्ष की इस असाधारण उपलब्धि को पहले जहां इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह मिली, वहीं अब इंटरनेशनल बुक

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के बाद इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

ऑफ रिकॉर्ड्स में भी उसका नाम दर्ज हो गया है। इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होने पर होनहार लक्ष को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने लक्ष की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए इसे मथुरा ही नहीं, समूचे प्रदेश-देश के लिए असाधारण उपलब्धि बताया। उन्होंने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल का यह सितारा जिस तरह कामयाबी हासिल कर रहा है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि स्केटिंग के खेल में वह एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जरूर जीतेगा। स्कूल की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने लक्ष को बधाई देते हुए कहा कि इस नन्हें स्टार ने अपनी बिजली सी चपलता से इंटरनेशनल स्तर पर जो सफलता हासिल की है, वह अतुलनीय है। लक्ष बेहद प्रतिभाशाली और चपल है, वह स्केटिंग के साथ–साथ पढ़ाई में भी बेहतर है। उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डीएस राठौर और कोच शैलेन्द्र कुमार इसे बड़ी उपलब्धि मानते हुए कहते हैं कि लक्ष शर्मा एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर मथुरा के साथ देश का गौरव बढ़ाएगा। कोच का कहना है कि लक्ष काफी मेहनती है, उसे जो करने के लिए कहा जाता है, वह मेहनत और लगन से उसे पूरा करता है।

बारिश का मौसम बढ़ा सकता है अस्थमा की परेशानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून का मौसम गर्मी से राहत जरूर देता है, लेकिन अस्थमा के मरीजों के लिए यह कई चुनौतियां भी साथ लेकर आता है। बारिश के दौरान बढ़ी हुई नमी, हवा में मौजूद फफूंद, धूल के कण और वायरल संक्रमण सांस की समस्या को गंभीर बना सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम में थोड़ी–सी लापरवाही भी अस्थमा अटैक का कारण बन सकती है। इसलिए मरीजों को अपनी दिनचर्या और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डॉक्टरों के अनुसार, मानसून में घर के अंदर नमी बढ़ने से फफूंद तेजी से पनपती है, जो अस्थमा के मरीजों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

दीवारों, बाथरूम और नम कोनों की नियमित सफाई करें और घर में पर्याप्त वेंटिलेशन रखें। यदि संभव हो तो डीह्यूमिडिफायर का उपयोग करें, ताकि नमी नियंत्रित रहे। बारिश के मौसम में वायरल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और हाथों की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। यदि बाहर निकलना जरूरी हो तो मास्क पहनें, क्योंकि इससे धूल, परागकण और एलर्जी पैदा करने वाले कणों से

बाहर निकलते समय हमेशा मास्क पहनें।

इनहेलर और दवाएं समय पर लें

काफी हद तक बचाव होता है। अस्थमा के मरीजों को अपनी दवा या इनहेलर कभी भी बिना डॉक्टर की सलाह के बंद नहीं करना चाहिए। कई लोग लक्षण कम होने पर दवा छोड़ देते हैं, जिससे अचानक अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है। इनहेलर हमेशा अपने साथ रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सके। खानपान भी इस मौसम में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ठंडी चीजों की जगह हल्का गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन लें। पर्याप्त पानी पिएं और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रखने वाले फल–सब्जियों को आहार में शामिल करें। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि लगातार खांसी, सीने में जकड़न, घरघराहट या सांस लेने में कठिनाई महसूस हो रही है, तो इसे सामान्य सर्दी समझकर नजरअंदाज न करें। समय पर इलाज और सावधानी ही मानसून में अस्थमा को नियंत्रित रखने का सबसे प्रभावी तरीका है।

कार्यालय, नगर पंचायत–गोवर्धन
जि0– मथुरा, (उ0प्र0) 281502

पत्रांक: 225/न.प.गो./ई–टैण्डर/2026 दिनांक–09/07/2026

नगर पंचायत गोवर्धन, मथुरा द्वारा पंजीकृत/अपंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों/सप्लायरों को सूचित किया जाता है कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना (CM-NSY) के अन्तर्गत शासनादेश संख्या–1/1276952/2026/मु0मं0न0सृ0यो0–ई–2011855 नगर विकास अनुभाग–2 लखनऊ: दिनांक 23–03–2026 के द्वारा नगर पंचायत गोवर्धन को स्वीकृत/प्राप्त धनराशि से न0 पं0 गोवर्धन में सी0सी0 रोड सडक व नाली निर्माण कार्य कराये जाने हेतु दिनांक 31/07/2026 समय 02.00 बजे तक बेवसाईट www.etender.up.nic.in पर निविदायें रजिस्टर्ड श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से दिये गये शर्तो के आधार पर आमंत्रित की जाती हैं। निविदा अभिलेख एंव शर्ते बेवसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10/07/2026 से दिनांक 31/07/2026 तक दोपहर 02:00 बजे तक सभी निविदादाता अपनी–अपनी निविदा दर/दरें डाल सकते हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत अथवा बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

Sr.No.	Description	Date	Time
1	Document Downloding Start Date	10/07/2026	02.00 P.M.
2	Document Downloding End Date	31/07/2026	02.00 P.M.
3	Online Bid Submission Start Date	10/07/2026	02.00 P.M.
4	Online Bid Submission Closing Date	31/07/2026	02.00 P.M.
5	opening date	31/07/2026	04.00 P.M.
6	Financial bid opening After Evalution of Technical Bids.		
7	Place of opening of E-Tender	Executive officer, office Nagar Panchayat Goverdhan Mathura (U.P)	
8	E-Tender document processing	As per tender list	

ई0 निविदा सूचना का विवरण

क्र0सं	मद	कार्य का विवरण	आगणन राशि	जमानत राशि	टैण्डर फीस	कार्य अवधि
1 2	मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना (CM-NSY)	वार्ड संख्या 03 गिरधारी प्रधान के मकान से भगवती गार्डन तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	716601	71660	900	30 दिन
3 4 5		वार्ड संख्या 03 भगवती गार्डन से बबलू भगत के मकान तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	709067	70906	900	30 दिन
6 7		वार्ड संख्या 08 शिवा नन्द सेवा संस्थान से प्रेम सर्कीतन धाम ट्रस्ट तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	901824	90182	1100	30 दिन
8 9		वार्ड संख्या 08 सोनू के मकान से डब्बू पण्डित के मकान तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	1004784	100478	1200	30 दिन
10		वार्ड संख्या 09 कृष्णा के मकान से दीपक फौजी के मकान तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	1655701	165570	1900	30 दिन
		वार्ड संख्या 11 कमल मुनीम के मकान से कलाधारी बगीची तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	977480	97748	1150	30 दिन
		वार्ड संख्या 11 गिर्राज नगर कालॉनी में डीग वालों की प्लाट से तीर्थ आश्रम तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	909776	90977	1100	30 दिन
		वार्ड संख्या 11 चरत के मकान से कप्पो पण्डित के मकान तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	1169858	116985	1400	30 दिन

ई–निविदा हेतु उल्लेखित कार्यो का विवरण, उनकी आंगणन लागत, निविदा की धरोहर राशि, निविदा मूल्य, तथा अवधि का विवरण, शर्ते व प्रतिबन्ध पोर्टल WWW.http//etender.up.nic.in पर दिनांक 10/07/2026 को पूर्वाह: 02:00 बजे से देखा जा सकता है। ई–निविदा पोर्टल पर प्रत्येक कार्य की अलग–अलग निविदा आमंत्रित की गयी हैं। धरोहर राशि की एफ0डी0आर0 नगर पंचायत गोवर्धन के नाम बन्धक होनी चाहिये निविदा का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक गोवर्धन मथुरा के बैंक खाता A/C-30818864878, IFSC CODE-SBIN0010313 में ट्रॉन्सफर कर सकते है। नोट– किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त बेबसाइट का अवलोकन करें।

लिपिक/टेण्डर कमेटी सदस्य नगर पंचायत गोवर्धन, मथुरा। | अवर अभियन्ता प्रा0ख0लो0नि0विभाग, मथुरा। | अधिशाषी अधिकारी/टेण्डर कमेटी अध्यक्ष नगर पंचायत गोवर्धन, मथुरा।

ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले जान लें पूरा बजट

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश घूमने का सपना देखने वालों की पसंदीदा जगहों में ऑस्ट्रेलिया का नाम सबसे ऊपर आता है। शानदार समुद्र तट, आधुनिक शहर, वाइल्डलाइफ और प्राकृतिक खूबसूरती इसे खास बनाते हैं। अगर आप 2 लोगों के साथ 7 से 8 दिन की ऑस्ट्रेलिया ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो पहले बजट जान लेना जरूरी है। भारत से ऑस्ट्रेलिया की राउंड ट्रिप फ्लाइट का खर्च दो लोगों के लिए लगभग 1.20 लाख से 2 लाख रुपये तक हो सकता है। वहीं, 3–स्टार होटल में ठहरने का खर्च 6,000 से 10,000 रुपये प्रति रात, जबकि 5–स्टार होटल के लिए 15,000 रुपये या उससे अधिक देना पड़ सकता है। खाने–पीने पर प्रतिदिन 4,000 से 8,000 रुपये तक खर्च आ सकता है। इसके अलावा वीजा, लोकल ट्रांसपोर्ट, दर्शनीय स्थलों की टिकट और शॉपिंग का बजट भी अलग रखना होगा। कुल मिलाकर, 3–स्टार होटल के साथ 2 लोगों की 7-8 दिन की ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर करीब 3 लाख से 4.5 लाख रुपये का खर्च आ सकता है। वहीं, लग्जरी ट्रिप का बजट 5 से 7 लाख रुपये या उससे भी अधिक हो सकता है। अगर कम बजट में घूमना चाहते हैं, तो फ्लाइट पहले से बुक करें, ऑफ–सीजन में यात्रा करें, बजट होटल चुनें और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। सिडनी ओपेरा हाउस, ग्रेट बैरियर रीफ, मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट और ब्लू माउंटेन्स जैसी जगहें आपकी यात्रा को यादगार बना सकती हैं।

बालों में मुल्तानी मिटटी लगाते हैं? पहले जान लें सही तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। बारिश के मौसम में डैंड्रफ, ऑयली स्कैल्प और हेयर फॉल जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में मुल्तानी मिटटी एक प्राकृतिक और असरदार उपाय साबित हो सकती है। यह स्कैल्प पर जमी धूल, गंदगी और अतिरिक्त तेल को साफ करने में मदद करती है। इसके एंटी–बैक्टीरियल गुण डैंड्रफ और स्कैल्प इंफेक्शन को कम करने में भी सहायक माने जाते हैं। नियमित इस्तेमाल से बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ दिखाई देते हैं। मुल्तानी मिट्टी को कभी भी सीधे बालों पर नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इसकी सोखने की क्षमता बालों को रूखा बना सकती है। ऑयली स्कैल्प के लिए 3 चम्मच मुल्तानी मिटटी में 2 चम्मच नींबू का रस और थोड़ा गुलाब जल मिलाकर हेयर पैक तैयार करें। वहीं, रूखे और बेजान बालों के लिए मुल्तानी मिटटी में दही और शहद मिलाकर पैक बनाएं। इसे बालों की जड़ों से सिरों तक लगाकर 25-30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से धो लें।

55 रुपये में 30 दिन का धमाका जियो का नया प्लान

यूनिक समय, नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने अपने ग्राहकों के लिए एक नया और किफायती जियो टीवी प्रो पैक लॉन्च किया है। महज 55 रुपये में मिलने वाला यह प्लान पूरे 30 दिनों की वैधता के साथ आता है और इसमें यूजर्स को 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनलों का एक्सेस मिलता है। यह प्लान खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो कम कीमत में मनोरंजन का भरपूर आनंद लेना चाहते हैं। इस प्लान में यूजर्स को 16 से अधिक भाषाओं में 150 से ज्यादा प्रीमियम चैनल देखने की सुविधा मिलेगी।इस प्लान का लाभ लेने के लिए यूजर्स को माईजियो ऐप या ऑफलाइन माध्यम से 55 रुपये का रिचार्ज कराना होगा।

रिचार्ज पूरा होते ही जियो टीवी ऐप में लॉग–इन करके सभी चैनलों का आनंद लिया जा सकता है। किसी अतिरिक्त एक्टिवेशन की आवश्यकता नहीं होगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह केवल एंटरटेनमेंट पैक है। इसमें मोबाइल डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग या

प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों यूजर्स के लिए उपलब्ध

रटर जैसी टेलीकॉम सेवाएं शामिल नहीं हैं। यदि कोई ग्राहक इस प्लान को एक से अधिक बार रिचार्ज करता है, तो अगला पैक क्यू में जुड़ जाएगा और मौजूदा वैधता समाप्त होने के बाद अपने आप सक्रिय हो जाएगा। कम कीमत में लंबी वैधता और हजारों लाइव चैनलों की सुविधा के साथ जियो का यह नया प्लान मनोरंजन पसंद करने वाले यूजर्स के लिए शानदार विकल्प साबित हो सकता है।

ये आदतें करती हैं तेजी से वजन कम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर लोग मानते हैं कि ज्यादा एक्सरसाइज करने से वजन तेजी से घट जाता है या किसी एक हिस्से की चर्बी उसी हिस्से की एक्सरसाइज से कम हो जाती है। लेकिन फिटनेस कोच पुनीत राव के अनुसार, यह एक बड़ी गलतफहमी है। उनका कहना है कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सीधे फैट बर्न नहीं करती, बल्कि शरीर को मजबूत मांसपेशियां बनाने का संकेत देती है। मांसपेशियां बढ़ने से शरीर की कैलोरी खर्च करने की क्षमता बेहतर होती है और फिटनेस में सुधार आता है। वजन घटाने के लिए केवल जिम या किसी एक एक्सरसाइज पर निर्भर रहना सही तरीका नहीं है।

इसके लिए संतुलित आहार, पयोप्त प्रोटीन, रोजाना वॉक, अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जैसी हेल्दी आदतों को अपनाना जरूरी है। जब ये सभी चीजें मिलकर काम करती हैं

बरसात में पानी के बीच मंडरा रहा है सांपों का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं कई नई परेशानियां भी साथ लेकर आता है। लगातार बारिश के कारण जलभराव होने पर जहरीले सांप सुरक्षित ठिकानों की तलाश में घरों, दुकानों, खेतों और बस्तियों तक पहुंच सकते हैं। हाल ही में चीन के एक स्नेक फार्म से भारी बारिश के दौरान बड़ी संख्या में सांप निकलने की खबर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में विशेषज्ञ भी बारिश के मौसम में अतिरिक्त सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। बारिश के समय सांप अक्सर सूखी और सुरक्षित जगह की तलाश में घरों के कोनों, स्टोर रूम, बाथरूम, पार्किंग, लकड़ियों के ढेर और झाड़ियों में छिप सकते हैं। इसलिए ऐसी जगहों की सफाई करते समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी है। खेतों या खुले इलाकों में काम करने वाले लोगों को लंबे जूते और मोटे कपड़े पहनने चाहिए, ताकि सांप के काटने का खतरा कम हो सके। अगर किसी व्यक्ति को सांप काट ले, तो घबराने के बजाय तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाना सबसे जरूरी

सुविचार

इंतजार भी मोहब्बत का एक रूप है।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	08:16-05:22 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	01:15-11:03 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:35 AM	चन्द्रोदय	01:01 AM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	03:09 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:57AM -12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:42 AM: 12:24 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें और परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ: योजनाओं में सफलता मिलेगी। निवेश से पहले सोच–विचार करें। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन: नए अवसर सामने आएंगे। बातचीत में संयम रखें। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिलेंगे।

कर्क: भावनात्मक फैसलों से बचें। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सतर्कता बनाए रखना लाभदायक होगा।

सिंह: आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। धन संबंधी मामलों में लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कन्या: मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। अधूरे काम पूरे होंगे। स्वास्थ्य और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

तुला: सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक: धैर्य से काम लें। करियर में प्रगति के योग हैं। परिवार की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

धनु: यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ होगा। नए संपर्क भविष्य में सफलता का मार्ग खोलेंगे।

मकर: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिम्मेदारियों को समझदारी से निभाना आपके हित में रहेगा।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। योजनाओं को पूरा करने का अवसर मिलेगा।

मीन: मन शांत रहेगा और आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा, धन लाभ के संकेत हैं।

दान के नियम : क्यों लौटाया हुआ दान माना जाता है अनुचित

शास्त्रों में बताए गए हैं दान के नियम

सच्चा दान वही जिसमें हो निस्वार्थ सेवा का भाव

राजा नृग की कथा देती है सीख

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में दान को पुण्य और सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दान केवल वस्तु या धन देने का नाम नहीं, बल्कि त्याग, श्रद्धा और निस्वार्थ भावना से जुड़ा कार्य है। हालांकि, दान को लेकर कई नियम भी बताए गए हैं, जिनमें दान देने वाले और लेने वाले दोनों की पात्रता का विशेष महत्व बताया गया है।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दान हमेशा ईमानदारी से अर्जित धन या वस्तु का ही करना चाहिए।

गलत तरीके से कमाए गए धन का दान पुण्यकारी नहीं माना जाता।

इसी तरह दान हमेशा योग्य व्यक्ति या सही उद्देश्य के लिए दिया जाना चाहिए। भूखे, जरूरतमंद, असहाय, वृद्ध, बीमार और सेवा कार्यों में दिया गया दान श्रेष्ठ माना गया है।

मान्यताओं के अनुसार एक बार किसी वस्तु या धन का दान कर देने के बाद उस पर दान देने वाले का अधिकार समाप्त हो जाता है। शास्त्रों में दान वापस लेने को उचित नहीं माना गया है। कहा गया है कि दान हमेशा प्रसन्न मन और बिना किसी स्वार्थ के करना चाहिए। यदि व्यक्ति दान देकर बाद में उसे वापस लेने की इच्छा रखता है तो दान की भावना कमजोर हो जाती है।

महाभारत में दानवीर कर्ण की कथा इसका उदाहरण मानी जाती है। उन्होंने अपने कवच और कुंडल तक दान कर दिए, लेकिन कभी उन्हें वापस लेने की इच्छा नहीं जताई। इसी तरह राजा हरिश्चंद्र ने भी सत्य और धर्म की रक्षा के लिए अपना राजपाट दान कर दिया था। पुराणों में राजा नृग की कथा दान में सावधानी का संदेश देती है। मान्यता है कि राजा नृग ने अनेक गायों का दान किया था। लेकिन गलती से एक गाय दोबारा उनके पास लौट आई और वही गाय उन्होंने फिर दूसरे ब्राह्मण को दान कर दी। दोनों ब्राह्मणों के विवाद को सुलझाने में असफल रहने के कारण राजा नृग को दोष का भागी बनना पड़ा।

इस कथा से यह संदेश मिलता है कि दान करते समय पूरी सावधानी रखनी चाहिए। दान केवल धन देने का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और सद्भावना का कार्य है। दान का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें अहंकार नहीं, बल्कि सेवा और मानव कल्याण की भावना हो।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ऑफिस सीटिंग का वास्तु कनेक्शन

सही दिशा और व्यवस्था बढ़ा सकती है कार्य क्षमता

यूनिक समय, मथुरा। ऑफिस केवल काम करने की जगह नहीं, बल्कि करियर की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। मेहनत और लगन के साथ काम का वातावरण भी व्यक्ति की एकाग्रता और कार्य क्षमता को प्रभावित करता है। वास्तु शास्त्र में ऑफिस की सीटिंग व्यवस्था, दिशा और आसपास की चीजों को लेकर कई नियम बताए गए हैं, जिन्हें सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार ऑफिस में बैठने की दिशा का विशेष महत्व होता है। कहा जाता है कि काम करते समय यदि व्यक्ति का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर हो तो यह शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा को ऊर्जा और नई सोच से जोड़कर देखा जाता है, जबकि उत्तर दिशा को प्रगति और अवसरों का प्रतीक माना जाता है। इसलिए कोशिश करनी चाहिए कि बैठने की जगह ऐसी हो, जहां मन शांत और काम पर ध्यान केंद्रित रहे।ऑफिस

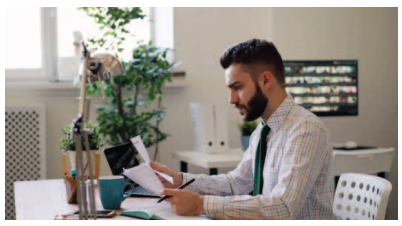

डेस्क को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के साथ रंगों का चुनाव भी महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तु के अनुसार सफेद और हरे रंग सकारात्मकता से जुड़े माने जाते हैं। इन रंगों से जुड़ी वस्तुएं डेस्क पर रखने से वातावरण बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है और काम के प्रति उत्साह बढ़ सकता है। वास्तु में साफ–सफाई और व्यवस्थित स्थान को भी महत्वपूर्ण माना गया है। बिखरी हुई चीजें काम में बाधा और तनाव बढ़ा सकती हैं। इसलिए डेस्क को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना बेहतर माना जाता है। कुछ लोग ऑफिस डेस्क पर पानी से जुड़ी चीजें भी रखते हैं। वास्तु मान्यताओं में पानी को ऊर्जा और प्रवाह का प्रतीक माना गया है। साफ पानी से भरा छोटा पात्र या सजावटी वस्तु सकारात्मक माहौल बनाने में सहायक मानी जाती है। हालांकि, वास्तु के ये नियम धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण स्थापित नहीं है। वास्तविक सफलता के लिए मेहनत, कौशल, अनुशासन और सकारात्मक सोच सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बेहतर वातावरण इन प्रयासों को और प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है।

सकारात्मक माहौल से मिलती है काम में ऊर्जा

स्वच्छता और व्यवस्था भी जरूरी

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 10 जुलाई: योगिनी एकादशी
- 12 जुलाई: मासिक शिवरात्रि
- 14 जुलाई: आषाढ़ अमावस्या
- 16 जुलाई भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा
- 17 जुलाई: अनिरुद्ध चतुर्थी
- 25 जुलाई देवशयनी एकादशी
- 26 जुलाई: रवि प्रदोष व्रत
- 29 जुलाई: गुरु पूर्णिमा
- 2 अगस्त: गजानन संकष्टी
- 9 अगस्त: कामिका एकादशी
- 10 अगस्त: सोम प्रदोष व्रत
- 11 अगस्त: सावन शिवरात्रि
- 12 अगस्त: दर्श अमावस्या
- 15 अगस्त: हरियाली तीज
- 16 अगस्त: दूर्वा गणपति चतुर्थी
- 17 अगस्त: नाग पंचमी
- 23 अगस्त: श्रावण पुत्रदा एकादशी
- 25 अगस्त: भौम प्रदोष व्रत
- 27 अगस्त: श्रावण पूर्णिमा
- 28 अगस्त: रक्षाबंधन
- 31 अगस्त: कजरी तीज, बहुला चतुर्थी

मंदिर जाने का जाने का सही समय है सुबह और शाम

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर जाना केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मन की शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ा अनुभव माना जाता है। लोग अपने आराध्य के दर्शन, पूजा–अर्चना और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मंदिर जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंदिर जाने का समय भी विशेष महत्व रखता है। माना जाता है कि सही समय पर किए गए दर्शन और पूजा से मन को अधिक सकारात्मकता मिलती है।

धार्मिक मान्यताओं में ब्रह्म मुहूर्त यानी भोर का समय मंदिर जाने के लिए सबसे शुभ माना गया है। यह समय सामान्यतः सूर्योदय से पहले का होता है। इस दौरान वातावरण शांत रहता है और मन एकाग्र रहता है। कई मंदिरों में इसी समय भगवान का अभिषेक, पूजा और मंगला आरती की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

यदि सुबह जल्दी मंदिर जाना संभव न हो तो सूर्योदय के बाद भी दर्शन किए जा सकते हैं। सुबह का समय मन और शरीर दोनों के लिए सकारात्मक माना जाता है। इस समय पूजा करने से दिन की शुरुआत भी अच्छे विचारों और आध्यात्मिक भावना के साथ होती है। मान्यताओं के अनुसार दोपहर के समय कई मंदिरों में भगवान को भोग लगाया जाता है और विश्राम की परंपरा होती है। इस कारण कुछ मंदिरों में इस समय कपाट बंद रहते हैं। इसलिए दर्शन के लिए जाने से पहले मंदिर के समय की जानकारी लेना बेहतर माना जाता है। वहीं, शाम के समय सूर्यास्त के बाद का प्रदोष काल भी पूजा और दर्शन के लिए शुभ माना जाता है। इस समय मंदिरों में संध्या आरती होती है और वातावरण भक्तिमय हो जाता है। कई श्रद्धालु शाम की आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करते हैं।

मंदिर जाने से पहले रखें नियमों का ध्यान

पूजा से पहले रखें पवित्रता का ध्यान

धार्मिक परंपराओं के अनुसार मंदिर जाने से पहले स्वच्छता और पवित्रता का ध्यान रखना चाहिए। स्नान करने के बाद साफ–सुथरे और मर्यादित वस्त्र पहनकर मंदिर जाना शुभ माना जाता है। कई प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष ड्रेस कोड भी निर्धारित किए गए हैं।

मान्यता है कि मंदिर जाने से पहले मांसाहार और नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही चमड़े से बनी वस्तुओं को मंदिर परिसर में ले जाने से बचने की सलाह दी जाती है। भोजन करने के तुरंत बाद मंदिर जाने की बजाय कुछ समय बाद दर्शन करना उचित माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं में ग्रहण के समय मंदिर जाने से भी बचने की बात कही गई है। मान्यता है कि सूर्य या चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिरों के कपाट बंद रहते हैं और ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण कर दर्शन शुरू किए जाते हैं।

मंदिर जाने का उद्देश्य केवल भगवान के दर्शन करना ही नहीं, बल्कि अपने मन को शांत करना और सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देना भी है। चाहे सुबह का समय हो या शाम की आरती, श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छ मन के साथ की गई पूजा को ही सबसे महत्वपूर्ण माना गया है।

सम्पादकीय

कला से दूरी, संवेदनाओं से बढ़ती जा रही हमारी बेरुखी

कहा जाता है कि किसी समाज की सभ्यता का आकलन उसकी कला, संस्कृति और कलाकारों के सम्मान से किया जाता है। विडंबना यह है कि भारत जैसी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाले देश में कला आज भी आमजन के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा नहीं बन सकी है। फिल्मों, फैशन और मनोरंजन पर लोग खुले दिल से खर्च करते हैं, लेकिन किसी कला प्रदर्शनी में जाना या किसी कलाकार की कृति खरीदना अब भी बहुत कम लोगों की प्राथमिकता बन पाता है।

इस दूरी की सबसे बड़ी वजह कला को लेकर बना भ्रम है।

पवन गौतम
संपादक

अधिकांश लोगों को लगता है कि हर पेंटिंग लाखों रुपये की होती है और कला दीर्घाएं केवल संपन्न वर्ग के लिए हैं। जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। देश के हजारों युवा कलाकार ऐसी उत्कृष्ट कलाकृतियां तैयार कर रहे हैं, जो सामान्य परिवार के बजट में भी खरीदी जा सकती हैं। आवश्यकता केवल कला के प्रति रुचि और समझ विकसित करने की है।

दिलचस्प बात यह है कि हर इंसान का पहला परिचय कला से बचपन में ही हो जाता है। कोई भी बच्चा लिखना सीखने से पहले रेखाएं खींचता है, रंग भरता है और अपनी कल्पना को आकार देता है। यानी कला हमारे स्वभाव का हिस्सा है, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, उसे महत्व देना छोड़ देते हैं। शायद यही कारण है कि कला हमारे घरों की दीवारों तक नहीं पहुंच पाती, जबकि सजावट पर लाखों रुपये खर्च करने में हमें संकोच नहीं होता। दुनिया के अनेक देशों में कला प्रदर्शनियां सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लोग टिकट खरीदकर कलाकारों से मिलते हैं, उनकी रचनाओं पर चर्चा करते हैं और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं। भारत में भी यदि स्कूल, परिवार और समाज मिलकर बच्चों को कला दीर्घाओं, संग्रहालयों और कलाकारों से जोड़ें, तो कला के प्रति नई पीढ़ी का नजरिया बदल सकता है। कला केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि संवेदनाओं, विचारों और संस्कृति का जीवंत दस्तावेज है। एक चित्र हजार शब्दों से अधिक प्रभाव छोड़ सकता है। इसलिए कलाकारों को केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि संरक्षण और बाजार भी मिलना चाहिए। जब आम लोग कला को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे, तभी नए कलाकारों का सृजन भी निरंतर आगे बढ़ेगा। कला से जुड़ना विलासिता नहीं, बल्कि संवेदनशील समाज की पहचान है। यदि हम सचमुच अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हैं, तो कलाकारों और उनकी कृतियों को भी उतना ही सम्मान देना होगा, जितना हम अन्य रचनात्मक क्षेत्रों को देते हैं। कला से जुड़ना दरअसल स्वयं से, अपनी संवेदनाओं से और अपनी संस्कृति से जुड़ना है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

अब बेटियों के खिलाफ अपराध पर होगा निर्णायक प्रहार

बोध प्रकाश सगुणी

जब भी किसी मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म या हत्या जैसी घटना सामने आती है, पूरा देश कुछ दिनों के लिए आक्रोश में डूब जाता है। टीवी स्टूडियो गरम हो जाते हैं, सोशल मीडिया पर न्याय की मांग उठने लगती है, राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगते हैं और प्रशासन ताबड़तोड़ कार्रवाई में जुट जाता है। लेकिन कुछ सप्ताह बाद सब कुछ सामान्य होने लगता है। सवाल यह है कि आखिर कब तक हम हर दर्दनाक घटना के बाद केवल शोक, गुस्से और बहस तक सीमित रहेंगे? क्या ऐसा समाज विकसित भारत की कल्पना कर सकता है, जहां बेटियां भय के साये में जीने को मजबूर हों?

पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या तथा राजस्थान के श्रीगंगानगर में 13 वर्षीय नाबालिग के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं केवल दो आपराधिक मामले नहीं हैं। ये उन कमजोरियों का आईना हैं, जिनसे हमारा समाज अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि पीड़ित वे मासूम बच्चियां हैं, जिन्हें दुनिया की क्रूरता का अर्थ तक नहीं पता होता।

इन दोनों मामलों में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की। गिरफ्तारियां हुईं, विशेष जांच शुरू हुई, वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और फरार आरोपियों की तलाश तेज हुई। इससे यह संदेश अवश्य गया कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराधों पर सरकारें और पुलिस अब पहले की तुलना में अधिक सक्रिय दिखना चाहती हैं। कानून का भय अपराधियों के मन में होना भी चाहिए, क्योंकि दंड का डर ही अपराध पर अंकुश लगाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है।

लेकिन केवल त्वरित कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सवाल यह भी है कि अपराध होने से पहले व्यवस्था कहां थी? क्या स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तंत्र पर्याप्त था? क्या संवेदनशील इलाकों में निगरानी प्रभावी थी? क्या परिवार और समाज बच्चों को सुरक्षा संबंधी पर्याप्त जानकारी दे पा रहे हैं? हर घटना के बाद कार्रवाई जरूरी है, लेकिन उससे कहीं अधिक जरूरी है ऐसी घटनाओं को होने से रोकना।

आज अपराध का स्वरूप बदल चुका है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, फर्जी पहचान और डिजिटल संपर्क अपराधियों के नए हथियार बन गए हैं। किशोर और बच्चे इंटरनेट की दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं, लेकिन

डिजिटल सुरक्षा की शिक्षा उतनी तेजी से नहीं पहुंच रही। यह अंतर अपराधियों के लिए अवसर बन जाता है। इसलिए साइबर जागरूकता अब केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि महिला और बाल सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इन घटनाओं के बाद एक और चिंता सामने आती है- सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें। कई लोग बिना पुष्टि के तस्वीरें, वीडियो और संदेश साझा करने लगते हैं। इससे जांच प्रभावित होती है, पीड़ित परिवार की पीड़ा बढ़ती है और समाज में भ्रम फैलता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि अपुष्ट जानकारी को सच बनाकर प्रस्तुत किया जाए। जिम्मेदार नागरिक होने का अर्थ है कि संवेदनशील मामलों में संयम और सत्यापन दोनों बनाए रखें। देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानून लगातार सख्त हुए हैं। विशेष प्रावधान, कड़े दंड और त्वरित अदालतों की व्यवस्था बनाई गई है। लेकिन कानून की प्रभावशीलता केवल उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके निश्चित और निष्पक्ष क्रियान्वयन से तय होती है। यदि अपराधी यह मान लें कि गिरफ्तारी तय है, जांच मजबूत होगी और अदालत से सजा मिलना लगभग निश्चित है, तभी कानून का वास्तविक भय पैदा होगा।

यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी आरोपी का दोष न्यायालय में सिद्ध होना आवश्यक है। लोकतंत्र की ताकत इसी में है कि वह भावनाओं से नहीं, बल्कि कानून और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय देता है। इसलिए पुलिस की जांच जितनी तेज हो, उतनी ही पारदर्शी और निष्पक्ष भी होनी चाहिए। न्याय का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि सही व्यक्ति को दंड दिलाना है।

राजनीतिक दलों को भी आत्मसंयम दिखाना होगा। महिलाओं के खिलाफ अपराध किसी सरकार के पक्ष या विपक्ष का मुद्दा नहीं होना चाहिए। सत्ता बदलने से अपराध समाप्त नहीं होते, लेकिन शासन की संवेदनशीलता और प्रशासनिक इच्छाशक्ति अवश्य फर्क पैदा कर सकती है। इसलिए राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि बेहतर सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए।

समाज की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। बेटियों को सुरक्षित वातावरण देना केवल पुलिस या अदालत का काम नहीं। परिवारों को बेटों में महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी होगी। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, लैंगिक समानता और बाल सुरक्षा पर खुली चर्चा होनी चाहिए। समाज तभी बदलेगा, जब मानसिकता बदलेगी।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें अपराध होने की संभावना ही कम हो जाए। बेहतर स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी, सुरक्षित परिवहन, प्रभावी पुलिस गश्त, त्वरित हेल्पलाइन और आधुनिक फोरेंसिक व्यवस्था-ये सभी सुरक्षा की मजबूत श्रृंखला के आवश्यक हिस्से हैं।

बारुईपुर और श्रीगंगानगर की घटनाएं हमें चेतावनी देती हैं कि यदि समाज और व्यवस्था समय रहते नहीं चेते, तो ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। लेकिन ये घटनाएं यह अवसर भी देती हैं कि हम केवल गुस्से तक सीमित न रहें, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच में स्थायी बदलाव लाने का संकल्प लें।

भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी पहचान यह होती है कि वहां की महिलाएं और बच्चियां कितनी सुरक्षित हैं। जिस दिन हर बेटी बिना भय के घर से निकल सकेगी, उसी दिन विकास के आंकड़े भी वास्तविक अर्थ प्राप्त करेंगे।

अब समय आ गया है कि महिलाओं की सुरक्षा को राजनीतिक बहस से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। कानून का कठोर और निष्पक्ष अनुपालन, समयबद्ध न्याय, सामाजिक जागरूकता और संवेदनशील नागरिकता-इन्हीं चार स्तंभों पर सुरक्षित भारत का भविष्य टिका है।

जब अपराधी कानून से डरेंगे, समाज बेटियों का सम्मान करेगा और न्याय समय पर मिलेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि भारत केवल विकसित ही नहीं, बल्कि वास्तव में सभ्य और सुरक्षित राष्ट्र भी बन रहा है।

विचार विंडो

तकनीक अपनाइए, मानसून की त्रासदियों पर स्थायी विराम लगाइए

राम प्रकाश शर्मा

भारत में मानसून केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि हर वर्ष हमारी विकास योजनाओं, शहरी प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविक परीक्षा भी बन जाता है। पहली तेज बारिश होते ही कहीं सड़कें दरिया बन जाती हैं, कहीं पहाड़ दरकने लगते हैं, तो कहीं रेल और सड़क यातायात घंटों नहीं, बल्कि कई दिनों तक ठप हो जाता है। हर साल यह दृश्य बदलता नहीं, केवल स्थान बदल जाते हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक मानसून को प्राकृतिक आपदा कहकर अपनी प्रशासनिक कमियों पर पर्दा डाला जाता रहेगा?

हाल ही में मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे के 'मिसिंग लिंक' सेक्शन में हुए भूस्खलन और रेलवे सेवाओं के प्रभावित होने की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत का बुनियादी ढांचा अभी भी चरम मौसमीय परिस्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। दुखद यह है कि विज्ञान, मौसम पूर्वानुमान और आधुनिक इंजीनियरिंग के इस दौर में भी हम हर वर्ष लगभग उन्हीं समस्याओं से जूझते दिखाई देते हैं।

सच्चाई यह है कि प्राकृतिक आपदाएं पूरी तरह रोकी नहीं जा सकतीं, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए आपदा आने के बाद राहत कार्यों की बजाय, आपदा आने से पहले वैज्ञानिक तैयारी और तकनीकी निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। यही विकसित देशों की सबसे बड़ी सीख है।

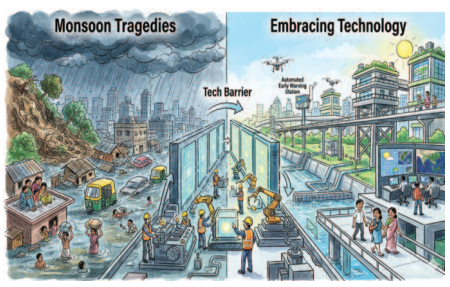

अमेरिका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों ने वर्षों पहले यह समझ लिया था कि केवल मजबूत सड़कें और पुल बनाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सुरक्षित बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी भी जरूरी है। यही कारण है कि वहां 'लिडार' जैसी लेजर मैपिंग तकनीक, सेंसर आधारित निगरानी प्रणाली, भू-स्खलन चेतावनी तंत्र और स्वचालित मौसम विश्लेषण नेटवर्क का व्यापक उपयोग किया जाता है। खतरे की आशंका मिलते ही यातायात नियंत्रित कर दिया जाता है और दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम रह जाती है। भारत में भी तकनीकी क्षमता की कमी नहीं है। देश अंतरिक्ष में उपग्रह भेज सकता है, डिजिटल भुगतान में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

फिर भी शहरों की जल निकासी व्यवस्था दशकों पुरानी सोच पर आधारित है। अधिकांश नगरों में बरसाती नालों की समय पर सफाई नहीं होती, प्राकृतिक जल मार्गों पर अतिक्रमण जारी रहता है और अनियोजित निर्माण वर्षा के पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोक देता है। परिणाम यह होता है कि कुछ घंटों की बारिश पूरे शहर को ठहराव की स्थिति में पहुंचा देती है।

पहाड़ी राज्यों की स्थिति और अधिक गंभीर है। सड़क निर्माण के दौरान कई स्थानों पर भूवैज्ञानिक अध्ययन को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। ढलानों को मजबूत करने, वर्षा जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था और नियमित निगरानी की कमी के कारण भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यदि निर्माण से पहले और बाद में आधुनिक भू-तकनीकी परीक्षण अनिवार्य किए जाएं, तो अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

शहरी विकास की दिशा में भी सोच बदलनी होगी। दुनिया के कई देशों में 'स्पंज सिटी' मॉडल अपनाया जा रहा है, जिसमें शहर इस प्रकार विकसित किए जाते हैं कि वर्षा का अधिकतम पानी जमीन में समा सके। हरियाली, जलाशय, पारगम्य सड़कें और वर्षा जल संचयन इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। भारत के महानगरों में भी इस मॉडल को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अपनाने की आवश्यकता है। इससे जलभराव कम होगा और भूजल स्तर भी सुधरेगा।

इसके साथ ही 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' समय की मांग बन चुका है। प्रत्येक शहर के नालों, सीवर नेटवर्क और जल निकासी मार्गों का डिजिटल मानचित्र तैयार हो, उनकी नियमित निगरानी हो और मानसून से पहले वैज्ञानिक समीक्षा अनिवार्य की जाए।

आज ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें यह कार्य बेहद आसान बना चुकी हैं। मानसून से होने वाला आर्थिक नुकसान भी कम चिंताजनक नहीं है।

हर वर्ष बाढ़, भूस्खलन, सड़क क्षति, रेल सेवाओं में बाधा और फसलों के नुकसान से देश को भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। यदि इस नुकसान का एक हिस्सा भी आधुनिक तकनीकी ढांचे पर निवेश किया जाए, तो भविष्य में होने वाली क्षति को काफी कम किया जा सकता है। यह खर्च नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश होगा। हालांकि तकनीक अकेले समाधान नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक जवाबदेही और नागरिक सहयोग भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। अतिक्रमण हटाने के निर्णय हों या जल निकासी मार्गों की सुरक्षा, इन्हें चुनावी लाभ-हानि से ऊपर उठकर लागू करना होगा। नागरिकों को भी नालों में कचरा फेंकने, जलमार्गों पर अतिक्रमण और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने जैसी आदतों से बचना होगा। मानसून हर वर्ष आएगा और बारिश भी होगी। प्रकृति को नियंत्रित करना संभव नहीं, लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। अब समय आ गया है कि 'आपदा आने पर राहत' की पुरानी सोच छोड़कर 'आपदा आने से पहले सुरक्षा' को राष्ट्रीय नीति बनाया जाए। जब आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक योजना और ईमानदार प्रशासन एक साथ काम करेंगे, तभी मानसून राहत का मौसम बनेगा, त्रासदी का नहीं। यही विकसित भारत की पहचान भी होगी और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव भी।

टीम इंडिया से अय्यर की कप्तानी छिन सकती है

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी 20 टीम का खराब प्रदर्शन अब सिर्फ सीरीज तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर आईसीसी रैंकिंग पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी 20 सीरीज में भारत अब तक तीन मुकाबलों में से दो हार चुका है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। लगातार मिल रही हार के चलते टीम इंडिया की नंबर–1 टी 20 रैंकिंग भी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। सीरीज शुरू होने से पहले भारत की आईसीसी टी 20 रेटिंग 272 थी, जबकि इंग्लैंड 262 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर था। दोनों टीमों के बीच 10 अंकों का अंतर था, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। ताजा रैंकिंग में भारत की रेटिंग घटकर 270 रह गई है, जबकि इंग्लैंड 265 अंकों तक पहुंच गया है। यानी दोनों टीमों के बीच अब केवल 5 अंकों का अंतर बचा है। अगर इंग्लैंड बाकी बचे दोनों मुकाबलों में भी भारत को हराने में सफल रहता है, तो टीम इंडिया की नंबर–1 रैंकिंग पर बड़ा खतरा मंडरा सकता है। पिछले कई वर्षों से टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज भारतीय टीम पहली बार इतनी मुश्किल स्थिति में दिखाई दे रही है। श्रेयस अय्यर के लिए भी यह सीरीज किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं है। कप्तान बनने के बाद अब तक टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है। ऐसे में लगातार हार उनकी कप्तानी पर भी सवाल खड़े कर रही है।

भारत टी 20 रैंकिंग में फिलहाल नंबर–1 पर

इंग्लैंड से रेटिंग का अंतर घटकर 5 अंक

अगर भारत सीरीज गंवाने के साथ नंबर–1 की कुर्सी भी खो देता है, तो यह उनके नेतृत्व पर बड़ा दाग माना जाएगा। हालांकि भारतीय टीम के पास अब भी वापसी का मौका है। सीरीज के दो मुकाबले बाकी हैं और यदि टीम दोनों मैच जीतने में सफल रहती है, तो न केवल सीरीज बराबरी पर ला सकती है, बल्कि अपनी नंबर–1 रैंकिंग भी सुरक्षित रख सकती है।

'फौजी' के सेट पर हादसा

कीड़े के काटने से अस्पताल पहुंचे राजेश शर्मा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रभास की आगामी फिल्म 'फौजी' की शूटिंग के दौरान अभिनेता राजेश शर्मा के साथ बड़ा हादसा हो गया। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शूटिंग के बाद उन्हें एक संदिग्ध कीड़े या जहरीली मकड़ी ने काट लिया। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया, लेकिन कुछ घंटों बाद उनके पैर में तेज दर्द, सूजन और बुखार की शिकायत शुरू हो गई। कोलकाता पहुंचते ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां संक्रमण पैर की उंगलियों से घुटने तक फैल चुका है। घटना के बाद

शूटिंग के दौरान कीड़े के काटने से बिगड़ी तबीयत

संक्रमण बढ़ने पर अस्पताल में भर्ती

ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रोडक्शन हाउस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि कलाकार की हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत बड़े अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया और सेट पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा क्यों नहीं थी। अक उहअ ने तेलंगाना सरकार से मामले की जांच कराने और फिल्म निर्माताओं से राजेश शर्मा के इलाज का पूरा खर्च उठाने की मांग की है। फिलहाल अभिनेता डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

'आदर्श बाल विद्यालय' में दिखेगा केके मेनन का नया अंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्राइम वीडियो ने अपनी नई ओरिजिनल कॉमेडी–ड्रामा सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' का ऐलान कर दिया है। इस सात एपिसोड की सीरीज में दिग्गज अभिनेता केके मेनन एक बेफिक्र हेडमास्टर के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, देवेन भोजानी, अभिमन्यु सिंह और प्रसन्ना बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह सीरीज 24 जुलाई से भारत समेत 240 से अधिक देशों में हिंदी और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम होगी। सीरीज की कहानी एक बदहाल सरकारी स्कूल के इर्द–गिर्द घूमती है,

जहां हेडमास्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी कैंब्रिज के एक प्रतिष्ठित ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने का सपना देखते हैं। इसी कोशिश में वे स्कूल की तस्वीर बदलने के मिशन पर निकल पड़ते हैं। संसाधनों की कमी, शरारती छात्रों, लापरवाह अभिभावकों और प्रशासनिक अड़चनों के बीच वे अजीबोगरीब शिक्षकों की टीम के साथ बदलाव की कोशिश करते हैं।

24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

केके मेनन निभाएंगे हेडमास्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी का किरदार

मेकर्स का कहना है कि यह सीरीज शिक्षा व्यवस्था की कमियों को हल्के–फुल्के अंदाज में पेश करेगी। शो में हास्य, भावनाएं और प्रेरणा का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। वहीं, केके मेनन के किरदार को इस सीरीज की सबसे बड़ी खासियत माना जा रहा है, जिसे लेकर दर्शकों के बीच अभी से उत्सुकता बढ़ गई है।

थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायगन' कब होगी रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायगन' को लेकर फैंस का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसे विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म माना जा रहा है। राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले विजय इस फिल्म के जरिए अपने प्रशंसकों को अंतिम बार बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। अब फिल्म की रिलीज डेट को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर चर्चाओं को और तेज कर दिया है। पहले यह फिल्म इसी साल जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंसर प्रक्रिया पूरी न होने के कारण इसकी रिलीज टाल दी गई थी। इसके बाद लंबे समय तक फिल्म को लेकर कोई बड़ी जानकारी सामने नहीं आई। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। कुछ रिपोर्ट्स में इसे अ सर्टिफिकेट मिलने की बात कही गई, जबकि कुछ प्लेटफॉर्म पर वअ16+ सर्टिफिकेट का उल्लेख किया गया है। हालांकि, इन दावों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच कनाडा की फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि 'जन नायगन' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंपनी ने लिखा कि वह कनाडा में फिल्म को रिलीज करेगी और दर्शक 24 जुलाई से इसे बड़े पर्दे पर देख सकेंगे। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया।

सिर्फ डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ही नहीं, बल्कि टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर भी फिल्म की संभावित रिलीज डेट 24 जुलाई दिखाई गई है। वेबसाइट पर फिल्म का सर्टिफिकेट भी वअ16+

'जन नायगन' 24 जुलाई को रिलीज होने की चर्चा

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने किया दावा

बताया गया है। हालांकि, अलग–अलग रिपोर्ट्स में अलग–अलग जानकारी होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है। फिल्म से जुड़ी हर नई खबर पर विजय के प्रशंसक नजर बनाए हुए हैं। सोशल मीडिया पर लगातार कर रहा है और फैंस मेकर्स से आधिकारिक घोषणा की मांग कर रहे हैं। चूंकि यह विजय के अभिनय करियर की विदाई फिल्म मानी जा रही है, इसलिए इसे लेकर उत्साह सामान्य फिल्मों से कहीं ज्यादा है। और इसे आखिर कौन–सा सर्टिफिकेट मिला है? इन सभी सवालों के जवाब अभी बाकी हैं।

मेसी आगे, एमबापे–हालंद पीछे, गोल्डन बूट पर महामुकाबला

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। 64 टीमों के साथ शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अब सिर्फ 8 टीमें ही खिताब की दौड़ में बची हैं। 10 जुलाई से क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की शुरुआत होगी, जहां हर मैच के साथ रोमांच अपने चरम पर होगा। हालांकि, विश्व कप ट्रॉफी की जंग के साथ–साथ एक और मुकाबला ऐसा है, जिस पर दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों की नजरें टिकी हुई हैं। यह मुकाबला है गोल्डन बूट जीतने की रेस, जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी, फ्रांस के किलियन एमबापे और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। अब तक खेले गए मुकाबलों में लियोनल मेसी शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। राउंड ऑफ 16 में मिस्र के खिलाफ खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने शानदार वापसी करते हुए 3–2 से जीत दर्ज की। इस मैच में मेसी ने निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसी गोल के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 8 कर ली और गोल्डन बूट की दौड़ में फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया। हालांकि, मेसी की राह आसान नहीं है। फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबापे भी शानदार लय में हैं। उन्होंने अब तक 7 गोल करने के अलावा 2 असिस्ट भी दिए हैं। पिछले विश्व कप में गोल्डन बूट जीतने वाले एमबापे एक बार फिर इस अवॉर्ड पर कब्जा जमाने की कोशिश में हैं। वहीं नॉर्वे के एर्लिंग हालंद भी 7 गोल के साथ मेसी के बेहद करीब हैं।

अपनी ताकतवर फिनिशिंग और आक्रामक खेल के दम पर हालंद किसी भी मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। फीफा विश्व कप में गोल्डन बूट उस खिलाड़ी को दिया जाता है, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करता है। यदि दो

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक,मेसी ने फिर संभाली बढ़त

10 जुलाई से शुरू होंगे क्वार्टर फाइनल मुकाबले

खिलाड़ियों के गोल बराबर होते हैं तो असिस्ट और उसके बाद मैदान पर बिताए गए समय को आधार बनाया जाता है। दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को सिल्वर बूट और तीसरे स्थान पर रहने वाले को ब्रॉन्ज बूट से सम्मानित किया जाता है। मेसी के लिए यह गोल्डन बूट सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके शानदार करियर की एक बड़ी कमी को पूरा करने का अवसर भी है। फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल होने के बावजूद वह अब तक फीफा विश्व कप का गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं।

स्टोक्स के रिटायरमेंट वीडियो पर आईसीसी सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को आईसीसी ने बेन स्टोक्स के रिटायरमेंट वीडियो को मैच के दौरान प्रसारित करने के मामले में पत्र भेजा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टोक्स ने ड्रेसिंग रूम में साथियों को संन्यास की जानकारी दी थी, जिसका वीडियो रिकॉर्ड कर मैच खत्म होने से पहले ही प्रसारित कर दिया गया। आईसीसी का मानना है कि यह खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र (पीएमओए) से जुड़े नियमों का उल्लंघन हो सकता है। आईसीसी के नियमों के अनुसार ड्रेसिंग रूम में रिकॉर्ड किए गए ऑडियो–वीडियो फुटेज को मैच समाप्त होने से पहले सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। बोर्ड ने अपने पत्र में कहा है कि इस तरह की सामग्री का प्रसारण खिलाड़ियों की निजता और निर्धारित प्रोटोकॉल के खिलाफ है। अब इस मामले में एज्ड से जवाब मांगा गया है। अगर नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो बोर्ड के खिलाफ आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है।

बारिश ने खोली स्मार्ट सिटी आगरा की व्यवस्था की पोल

यूनिक समय, आगरा। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच लगातार बारिश ने आगरा की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी है। पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव, सड़क धंसने, पेड़ गिरने और सीवर ओवरफ्लो जैसी समस्याएं सामने आई हैं। हालात यह हैं कि वीआईपी इलाकों से लेकर घनी आबादी वाली बस्तियों तक लोग परेशान हैं। कालिंदी विहार के 100 फुटा मार्ग पर सड़क धंसने से एक सरकारी एंबुलेंस मिटटी में फंस गई। काफी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से उसे बाहर निकाला गया। वहीं, टेढ़ी बगिया क्षेत्र में भी सड़क धंसने से हादसे का खतरा बढ़ गया है। आगरा कैंट के सोहल्ला इलाके में नालियां चोक होने के कारण सीवर का गंदा

पानी घरों तक पहुंच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगह 24 घंटे बाद भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कई क्षेत्रों में पानी भरने से वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहादरा के राजनगर क्षेत्र में मेट्रो निर्माण कार्य के कारण नाले प्रभावित हुए, जिससे जलभराव की समस्या और बढ़ गई। वहीं, शास्त्रीपुरम समेत कई इलाकों में बारिश के चलते पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। शहर के वीआईपी क्षेत्र अर्जुन नगर और भावना क्लार्क्स इन के आसपास भी सड़कें पानी से लबालब रहीं। सीवर ओवरफ्लो होने से लोगों को गंदे पानी के बीच से गुजरना पड़ा। बारिश का असर एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी पर भी दिखाई दिया, जहां छत से पानी टपकने की शिकायत सामने आई। इससे मरीजों, तीमारदारों और

सड़कों पर जलभराव और घरों में घुसा सीवर का पानी

कहीं सड़क धंसी तो कहीं पेड़ गिरे, एंबुलेंस फंसी

24 घंटे बाद भी कई इलाकों में हालात खराब

डॉक्टरों को परेशानी हुई। लगातार बारिश के बाद सामने आए हालातों ने नगर निगम और संबंधित विभागों की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बारिश जारी रही तो शहर में जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है।

राम मंदिर ट्रस्ट विवाद पर विराम

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि पूर्व महासचिव चंपत राय पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके मन में किसी तरह का आक्रोश नहीं है। स्वामी गोविंद देवगिरी ने अयोध्या में चंपत राय से मुलाकात के बाद बताया कि दोनों के बीच ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, राम मंदिर की व्यवस्थाओं और हाल के घटनाक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि चंपत राय ट्रस्ट द्वारा लिए जा रहे निर्णयों और नई व्यवस्थाओं के साथ मजबूती से खड़े हैं। कोषाध्यक्ष ने कहा कि चंपत राय लंबे समय से भारत माता की सेवा और संगठन कार्यों के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों में उनका पूरा सहयोग है। वहीं, राम मंदिर से जुड़े चढ़ावा चोरी मामले

कोषाध्यक्ष बोले— पूरी तरह स्वस्थ हैं चंपत राय

ट्रस्ट के फैसलों के साथ खड़े रहने की बात

में पुलिस जांच भी जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर रकम छिपाने के लिए अलग-अलग खातों के जरिए लेनदेन किया। जांच एजेंसियां बैंक खातों और अन्य सबूतों की पड़ताल कर रही हैं।

करंट से महिला की मौत के बाद बिजली विभाग की बड़ी कार्रवाई

जेई निलंबित और दो संविदाकर्मियों की सेवा समाप्त

यूनिक समय, अलीगढ़। श्याम नगर में ट्रांसफार्मर से उतरे करंट की चपेट में आकर महिला की मौत के मामले में बिजली विभाग ने सख्त कदम उठाया है। जांच रिपोर्ट में लापरवाही सामने आने के बाद संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) फेज तबरेज को निलंबित कर दिया गया है। विभाग ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए दो संविदाकर्मियों अनिल कुमार और रामसमुंदर शर्मा की सेवाएं भी समाप्त कर दी हैं। वहीं, संबंधित दो उपखंड अधिकारियों (एसडीओ) अहमद

हुसैन और प्रणव गुप्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। जांच में सामने आया कि भारी बारिश के कारण ट्रांसफार्मर की एलटी केबल तक पानी पहुंच गया था। केबल में लीकेज करंट फैलने से

लापरवाही पर दो एसडीओ के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

जलभराव वाले क्षेत्र में हादसा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शहर के सभी वितरण ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा जांच कराई जाएगी और जहां भी कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर किया जाएगा।

आगरा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

यूनिक समय, आगरा। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। गुरुवार को नगर निगम की टीम ने हरीपर्वत-दिलली गेट रोड पर कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे बनी तीन अवैध दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। नगर निगम की टीम दोपहर करीब 3 बजे बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई शुरू होते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने खुद ही अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, दिलली गेट के पास बनी तीन दुकानें संचालित हो रही थीं। इसके अलावा कई दुकानों के बाहर लगे टीनशेड, तिरपाल और अन्य अस्थायी अतिक्रमण भी हटाए गए। हरीपर्वत-दिलली गेट रोड पर सीएम ग्रिड योजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा है। अतिक्रमण के कारण सड़क पर यातायात प्रभावित हो रहा था और जाम की समस्या बढ़ रही थी। डीएम मनीष बंसल की समीक्षा बैठक के बाद नगर निगम ने यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने कहा कि शहर में अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से की मुलाकात

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच सनातन धर्म, धार्मिक परंपराओं और वर्तमान समय में धर्म से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करते हुए इसे महत्वपूर्ण और सकारात्मक संवाद बताया। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्हें पूज्य शंकराचार्य के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि इस दौरान सनातन धर्म पर आए संकट, उसकी गरिमा बनाए रखने और अधर्मियों से धर्म को मुक्त कराने जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने शंकराचार्य का मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलने पर आभार भी व्यक्त किया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब अखिलेश यादव अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मंदिर में चढ़ावे और

धर्म और समाज से जुड़े विषयों पर बातचीत

अखिलेश ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरें

दान को लेकर सामने आई खबरों ने करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और इस पूरे मामले में पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात के राजनीतिक और सामाजिक दोनों मायने हो सकते हैं। आगामी चुनावों और बदलते राजनीतिक माहौल के बीच इसे एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है।

बरेली में दरोगा पर महिला ने लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, बरेली। बरेली में एक महिला ने 58 वर्षीय दरोगा पर शादी और नौकरी का झांसा देकर शोषण करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि पति के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंचने के बाद उसकी मुलाकात दरोगा नरेश बाबू से हुई थी। पीड़िता के अनुसार, दरोगा ने मदद का भरोसा दिलाकर उसका मोबाइल नंबर लिया और बाद में बातचीत बढ़ गई। महिला का दावा है कि दरोगा ने शादी करने और नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद दोनों करीब एक साल तक साथ रहे। महिला ने आरोप लगाया कि गर्भवती होने पर उसका गर्भपात कराया गया और बाद में दरोगा ने साथ छोड़ दिया। उसने यह भी आरोप लगाया कि बेटे की शादी का हवाला देकर उससे लाखों रुपये के जेवर लिए गए। शिकायत मिलने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने दरोगा नरेश बाबू को निलंबित कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला के बयान दर्ज किए गए हैं।

आयुध निर्माणी में 12 करोड़ का कथित टेंडर घोटाला

सीबीआई ने पूर्व सीजीएम समेत दस लोगों पर दर्ज की एफआईआर

यूनिक समय, फिरोजाबाद। रक्षा मंत्रालय के अधीन फिरोजाबाद स्थित आयुध वस्त्र निर्माणी (ओईएफ) में कथित भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने करीब 12 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर घोटाले को लेकर चार अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। मामले में तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सीबीआई की जांच के अनुसार, वर्ष 2022 से 2025 के बीच नियमों की अनदेखी कर कई टेंडर ऐसी कंपनियों को दिए गए, जिनकी पात्रता और दस्तावेजों पर सवाल उठे हैं। आरोप है कि कुछ फर्जी और छद्म कंपनियों के जरिए टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर किया गया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों को कथित रूप से रिश्वत दी गई। इसमें लाखों रुपये के लेन-देन,

विदेश यात्रा के टिकट और अधिकारियों की पत्नियों के खातों में रकम भेजने जैसे आरोप शामिल हैं। हालांकि, सभी आरोपों की जांच अभी जारी है। सीबीआई ने पूर्व मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह समेत कई अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की है। एक मामले में आरोप है कि बिना पर्याप्त योग्यता और अनुभव प्रमाण पत्र के एक कंपनी को करोड़ों रुपये के टेंडर दिए गए। वहीं, दूसरे मामले में फर्जी पते वाली कंपनी को भी करोड़ों के ठेके मिलने की बात सामने आई है। जांच में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ कंपनियों ने सरकारी कंप्यूटर सिस्टम और इंटरनेट नेटवर्क का इस्तेमाल कर टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित किया। इसके अलावा स्थानीय क्रय समिति के जरिए भी नियमों को दरकिनार करने का दावा किया गया है।

फर्जी कंपनियों को दिए गए टेंडर, रिश्वत के आरोप

हवाई टिकट और खातों में रकम ट्रांसफर का भी दावा

सीबीआई ने सुरक्षा क्षेत्र में कथित अवैध निर्माण और रिश्वत से जुड़े मामले में भी एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि एक कारोबारी को प्रतिबंधित क्षेत्र के पास निर्माण की अनुमति देने के बदले रिश्वत ली गई। फिलहाल सीबीआई सभी आरोपियों से जुड़े दस्तावेज, बैंक लेन-देन और टेंडर रिकॉर्ड की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चढ़ावा चोरी विवाद पर क्या बोले नृत्यगोपाल दास?

यूनिक समय,अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसी बीच आज राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक होने जा रही है, लेकिन उससे पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास का बड़ा बयान सामने आया है।

महंत नृत्यगोपाल दास ने कहा कि श्रीराम लला सरकार के मंदिर में हुई दान चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिसने भी यह कृत्य किया है, उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार इस पाप से जुड़े हर व्यक्ति को सजा जरूर दिलाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह मामला

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

केवल चोरी का नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। ऐसे में इसमें किसी भी तरह की राजनीति या व्यक्तिगत लाभ के लिए हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

इधर, राम मंदिर ट्रस्ट की आज होने वाली बैठक को लेकर भी काफी हलचल है। इस बैठक में चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अभी तक उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए हैं और अंतिम फैसला बैठक में लिया जाएगा।

इसके अलावा ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सीईओ की नियुक्ति पर भी विचार किया जा सकता है।

अमेरिकी सेना ने ईरान में चाबहार को भी बनाया निशाना

खाड़ी में ड्रोन हमलों से मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान ने दावा किया है कि उसने कतर, कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ड्रोन हमलों से निशाना बनाया है। ईरानी सेना के अनुसार, इन हमलों में कई महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरान की ओर से कहा गया कि कुवैत में पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम से जुड़े उपकरण और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ईंधन भंडार को निशाना बनाया गया। ईरानी सेना ने यह भी कहा कि वह अमेरिका के हमलों का जवाब देना जारी रखेगी।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के भीतर कई सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक करने का दावा किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अभियान में 90 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन हमलों के बाद ईरान के कुछ इलाकों में नुकसान और जनहानि की खबरें सामने आईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान बातचीत की इच्छा दिखा रहा है, लेकिन अमेरिका को तेहरान के वादों पर भरोसा नहीं है। वहीं ईरान ने स्पष्ट किया है कि दबाव और धमकियों के बीच किसी भी बातचीत की संभावना नहीं है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका को पहले पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव ने पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ सकता है। होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्टों के अनुसार, तनाव के बीच कुछ जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव अब केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता के लिए चुनौती बनता जा रहा है। दुनिया की नजरें अब दोनों देशों के अगले कदमों पर टिकी हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ा

ईरान ने कतर, कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किया ड्रोन हमला

अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा, बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ अमेरिका में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। अमेरिकी ग्रैंड ज्यूरी ने गैंग से जुड़े आरोपों को लेकर चार्जशीट दाखिल की है। इसमें हत्या, रंगदारी, ड्रग्स तस्करी और अन्य गंभीर अपराधों के आरोपों का जिक्र किया गया है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों का दावा है कि जेल में रहने के बावजूद गैंग का नेटवर्क कई देशों तक सक्रिय रहा। आरोप है कि इसका नेटवर्क भारत, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया तक फैला हुआ था।

जांच में यह भी दावा किया गया कि गैंग सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए धमकियां देकर रंगदारी मांगता था। कारोबारियों और चर्चित लोगों को निशाना बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

अमेरिकी एजेंसियों के अनुसार, गैंग पर ड्रग्स तस्करी और युवाओं को अपराध में शामिल करने के आरोप भी हैं। मामले में गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा जैसे नामों का भी उल्लेख किया गया है। इससे पहले एफबीआई ने 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' के तहत कई स्थानों पर कार्रवाई की थी। अब अमेरिकी जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क और उससे जुड़ी संपत्तियों की जांच कर रही हैं।

हत्या, रंगदारी और ड्रग्स मामलों में आरोप तय

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर जांच एजेंसियों की नजर

अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते अवैध निर्माण और सुरक्षा नियमों की अनदेखी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सर्वोच्च अदालत ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लापरवाही करने वालों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि उम्मीद थी कि जिम्मेदार अधिकारी खुद कार्रवाई करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अदालत ने मालवीय नगर अग्निकांड, लखनऊ की आग और साकेत में इमारत गिरने जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए सुरक्षा मानकों को गंभीरता से लागू करने की जरूरत बताई।

सुप्रीम कोर्ट ने साकेत, लाजपत नगर और सरोजिनी नगर क्षेत्रों में इमारतों की स्थिति की जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों, ड्राफ्ट्समैन और एमसीडी अधिकारियों की टीम निरीक्षण करेगी।

वहीं, गुरुग्राम की इमारतों में फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सामने आई रिपोर्ट पर भी अदालत ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने गुरुग्राम विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन को अगली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है।

अदालत का यह सख्त रुख लगातार सामने आ रही आग और इमारत हादसों के बाद आया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि जांच के बाद जिम्मेदार अधिकारियों और अवैध निर्माण पर क्या कार्रवाई होती है।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर अदालत ने जताई नाराजगी

दिल्ली सहित कई इलाकों की होगी जांच

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा

ट्रक-क्रूजर टक्कर में छह लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को झकझोर दिया। यल्लापुर तालुका के अराबैल घाट क्षेत्र में ट्रक और क्रूजर वाहन के बीच हुई जोरदार टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, क्रूजर वाहन में सवार नौ लोग धारवाड़ से अंकोला की ओर जा रहे थे। ये सभी लोग धर्मस्थला और चिकमगलूर की यात्रा पर निकले थे। रास्ते में बालगर इलाके के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी गाड़ी की भीषण टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि क्रूजर वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, घायल तीन लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, मृतकों के शवों को येल्लापुर सरकारी अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हादसे का शिकार हुए लोग स्विगी में पार्ट-टाइम डिलीवरी बॉय के रूप में काम करते थे। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और सड़क परिस्थितियों सहित कई पहलुओं की जांच की जा रही है।

अराबैल घाट हुए हादसे में तीन घायल, पुलिस ने शुरू की जांच

हुड्डा-सुरजेवाला की मंच वाली नोकझोंक बनी सियासी चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा कांग्रेस की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के बीच हुई हल्की-फुल्की नोकझोंक अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। मंच से हुई बातचीत का वीडियो वायरल होने के बाद पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त की मौजूदगी में हुई बैठक के दौरान हुड्डा ने हरियाणवी अंदाज में सुरजेवाला से कहा कि साथ मिलकर चलेंगे तो बड़ा बदलाव दिखेगा। इसके जवाब में सुरजेवाला ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि वह लंबे समय से साथ दे रहे हैं, अब साथ देने की बारी हुड्डा की है। वीडियो वायरल होने के बाद गुटबाजी की चर्चाओं के बीच हुड्डा ने सफाई दी कि दोनों नेताओं के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि यह केवल मजाक और आपसी अपनापन था।

हालांकि, चुनावी माहौल में नेताओं की यह बातचीत कांग्रेस की रणनीति और एकजुटता को लेकर नई बहस जरूर छेड़ गई है।

वायरल वीडियो ने बढ़ाई कांग्रेस की अंदरूनी हलचल

सफाई में हुड्डा बोले- बातचीत थी सिर्फ मजाक

ट्रेन में सजा सुहागरात का कमरा वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के फर्स्ट एसी कोच में एक अनोखी सजावट अब विवाद का कारण बन गई है। ट्रेन के एक केबिन को फूलों और गुब्बारों से सुहागरात के कमरे की तरह सजाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रेलवे ने सख्त कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार, यह मामला नंदीग्राम एक्सप्रेस का है, जहां एक नवविवाहित जोड़े ने अपनी यात्रा को यादगार बनाने के लिए ऑनलाइन डेकोरेटर की मदद ली थी। निजी डेकोरेटर ने ट्रेन के फर्स्ट एसी केबिन को सजाया, जिसका वीडियो सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया। रेलवे ने इस मामले को सुरक्षा नियमों की अनदेखी माना और ड्यूटी पर तैनात टिकट चेकर (टीसी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अधिकारियों ने पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। रेलवे का कहना है कि यात्रियों द्वारा निजी स्तर पर सजावट करना गलत नहीं है, लेकिन बिना अनुमति बाहरी व्यक्ति का वीआईपी कोच में प्रवेश गंभीर सुरक्षा लापरवाही है।

सुरक्षा चूक पर रेलवे ने की कार्रवाई

टीसी सस्पेंड, जांच के आदेश दिए

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश का कहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। लगातार बारिश के कारण दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में देर रात से सुबह तक कुछ घंटों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। विभाग ने अगले कुछ समय तक तेज बारिश और हवाओं की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

बारिश का असर कई इलाकों में देखने को मिला। दिल्ली के रंजीत नगर में भारी बारिश के कारण कमजोर हुआ पेड़ कार पर गिर गया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, राजेंद्र नगर में सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ। गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में बारिश से बने गड्ढे में कार और स्कूटी गिर गई। इसके अलावा इंदिरापुरम के अंडरपास के पास पानी भरने से कई वाहन बंद हो गए। नोएडा के कई सेक्टरों में भी जलभराव के कारण लोगों को परेशानी हुई। गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर भी वाहनों की रफ्तार धीमी रही और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी। प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। मानसून सक्रिय होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में आगे भी बारिश जारी रहने की संभावना जताई गई है।

सड़कों पर भरे पानी से बढ़ी परेशानी

पेड़ गिरने और जलभराव से थमी रफ्तार

कई इलाकों में यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित

महाराष्ट्र में भूकंप के झटके, 4.6 रही तीव्रता

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 दर्ज हुई। झटके परभणी और नांदेड में भी महसूस किए गए। प्रशासन अलर्ट है, हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है।

मुड़िया पूर्णिमा मेले में दवा व्यवस्था रहेगी चौबीसों घंटे दुरुस्त

एक दर्जन से अधिक मेडीकल स्टोर्स खुले रहेंगे चौबीस घंटे

यूनिक समय, गोवर्धन। 23 से 30 जुलाई तक आयोजित होने वाले मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर औषधि विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में आने वाले लाखों परिक्रमार्थियों को समय पर दवाइयां और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने गोवर्धन, राधाकुंड और जतीपुरा क्षेत्र के मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए।

राधाकुंड रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में दर्जनों मेडिकल संचालकों और उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। औषधि निरीक्षक ने निर्देश दिए कि सभी मेडिकल स्टोरों पर अच्छी गुणवत्ता की दवाइयां उपलब्ध रहें, बुखार, दर्द, उल्टी, दस्त, प्राथमिक उपचार और अन्य आपातकालीन दवाओं का पर्याप्त भंडार रखा जाए। उन्होंने संचालकों से परिक्रमार्थियों के साथ मधुर व्यवहार करने, स्वच्छता बनाए रखने और जरूरतमंद श्रद्धालुओं

की हरसंभव सहायता करने की भी अपील की। औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने बताया कि मेले के दौरान ब्रज मेडिकल स्टोर सहित लगभग 15 से 20 मेडिकल स्टोर 24 घंटे खुले रहेंगे, ताकि किसी भी समय श्रद्धालुओं को दवा के लिए परेशानी न उठानी पड़े। इसके अलावा अन्य मेडिकल संचालकों से भी प्रशासन के सहयोग के लिए सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक समय तक अपनी दुकानें खुली रखने को कहा गया है।

औषधि निरीक्षक का कहना था कि औषधि विभाग का उद्देश्य है कि मुड़िया पूर्णिमा मेले में आने वाले प्रत्येक परिक्रमार्थी को आवश्यक दवाएं, बेहतर सेवा और सुरक्षित स्वास्थ्य

मुड़िया पूर्णिमा से पहले नकली दूध की तैयारियों में जुटे दलाल

परिक्रमा में दूध की धार चढ़ाने आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था पर मिलावट का साया

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन मुड़िया पूर्णिमा मेला 23 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। मेले के करीब आते ही गोवर्धन और आसपास के क्षेत्रों में दूध की मांग तेजी से बढ़ना शुरू हो जाती है। हर साल काफी श्रद्धालु गिरिराजजी की सात कोस परिक्रमा के दौरान दूध की धार चढ़ाते हैं। मेला आने से पहले नकली और मिलावटी दूध बेचने वालें दलाल सक्रिय हो जाते है। मेले में बड़ी मात्रा में दूध बिकता है। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग पानी मिलाकर या रसायनों से तैयार नकली दूध बेच देते हैं। श्रद्धालु इसे शुद्ध दूध समझकर खरीद लेते हैं और परिक्रमा के दौरान दूध की धार अर्पित करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मेले के समय जगह जगह खुले में दूध बेचा जाता है। मांग अधिक होने के कारण कुछ लोग जल्दी कमाई के लालच में मिलावटी दूध बेचने लगते हैं। कई बार दूध में पानी की अधिक मिलावट और सिंथेटिक दूध बेचने की शिकायतें भी सामने आती हैं। श्रद्धालु दूर–दूर से पूरी श्रद्धा के साथ गिरिराजजी के दर्शन और परिक्रमा करने आते हैं। ऐसे में यदि उन्हें शुद्ध दूध की जगह नकली या मिलावटी दूध मिले, तो यह उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ है। श्रद्धालु चाहते हैं कि उन्हें शुद्ध दूध ही मिले, ताकि वे अपनी धार्मिक परंपरा पूरी श्रद्धा से निभा सकें।

सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों, जिससे श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी परिक्रमा और धार्मिक यात्रा पूरी कर सकें।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर मंथन

बांके बिहारी हाई पावर्ड कमेटी की बैठक में मौजूद अध्यक्ष अशोक कुमार। साथ हैं डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जगप्रवेश एवं अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी जी मंदिर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति की 17वीं बैठक आयोजित की गई। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष जस्टिस अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, साफ–सफाई व्यवस्था, कर्मचारियों की समस्याओं और अन्य प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा मंदिर की गुल्लक (दान पेटी) व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने पर भी चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मंदिर की सभी व्यवस्थाओं को आधुनिक और प्रभावी तरीके से संचालित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

चोरी के माल सहित चोर गिरफ्तार गहने और नकदी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार पुलिस ने एक मकान से जेवरात और नकदी चोरी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के जेवरात और नकदी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, कल एक मकान में हुई चोरी के मामले में थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल चोर का पता लगाकर चौबीस घंटे के अंदर चोर को क्लैसी इंटर कालेज से बिजली घर को जाने वाले कच्चे रास्ते से अभियुक्त अंशू उर्फ गोलू निवासी खटीक मौहल्ला थाना सदर बाजार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के दो पीली धातु के हार, दो पीली धातु के टॉप्स के अलावा 1060 रुपये की नकदी बरामद की है।

भ्रष्टाचारी और धोखेबाज लोगों की सरकार है भाजपा

आजाद समाज पार्टी के कार्यक्रम में बोलते दीपक चौधरी।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा सौंख के वासुदेव कृष्ण गार्डन में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में आए सुनील कुमार चित्तौड़ ने लोगों को आजाद समाज पार्टी की स्थापना के बारे में बताया। वर्तमान भाजपा सरकार को भ्रष्टाचारी और धोखेबाज लोगों की सरकार बताया।

उन्होंने कहा कि यह पार्टी गरीब ,दलित पिछड़ा वर्ग को पीड़ितों को सम्मान दिलाती है, हर परेशानी में सबसे आगे खड़ी रहती है। लड़कियों के साथ हो रहे अत्याचारों का प्रमुखता से जिक्र करते हुए उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन के दौरान काफी लोगों ने बसपा, रालोद, भाजपा सहित विभिन्न दलों को छोड़कर आजाद समाज पार्टी का दामन थामा। चित्तौड़ ने दीपक चौधरी को विधान सभा चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित करते हुए समर्थन दिया और जन समूह से उन्हें विधायक चुन विधान सभा पहुंचाने की अपील की।

कोसी नहर में अज्ञात युवती का शव मिलने से हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र में गुरुवार को कोसी नहर में एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गोपालबाग चौकी क्षेत्र से गुजर रही नहर में शव उतराता देख ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे नहर में शव दिखाई दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बाद पुलिस को मौके पर पहुंचने में कुछ समय लगा, जिससे शव काफी देर तक नहर में ही पड़ा रहा। बाद में पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर रही है। इसके अलावा घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि युवती की शिनाख्त हो सके और घटना की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पहचान होने के बाद परिजनों से संपर्क किया जाएगा और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस युवती की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

बिलौठी गांव के बाबा ने एसडीएम से लगाई न्याय की गुहार

यूनिक समय, छाता। तहसील क्षेत्र के गांव बिलौठी में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक मंदिर के सेवादार बाबा ने स्थानीय प्रशासन और कुछ रसूखदारों पर मंदिर को ध्वस्त करने और भगवान की सेवा–पूजा से रोकने का गंभीर आरोप लगाया है।

बदहवास हालत में पीड़ित बाबा कुमार सिंह तहसील में एसडीएम से मिलने के लिए पहुंचे, लेकिन वह नहीं मिले। बाबा ने आरोप लगाते हुए रो–रोकर अपने साथ हुए अन्याय की कहानी बयां की और न्याय की गुहार लगाई। बाबा का आरोप है कि गांव बिलौठी में वह लंबे समय से अपनी निजी जमीन पर एक मंदिर की देखरेख और पूजा–अर्चना कर रहे हैं। लेकिन बीते दिनों कुछ लोगों ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उनके साथ घोर अन्याय किया। कुछ लोगों ने मंदिर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इतना ही नहीं, मंदिर में रखा सारा जरूरी सामान और पूजा की सामग्री भी वे लोग जबरन गाड़ियों में भरकर ले गए। बाबा का कहना है कि सेवा–पूजा और आरती के लिए मंदिर स्थल पर पहुंचा तो वहां मौजूद मथुरा से आए लोगों ने उन्हें रोक दिया।

कभी रिमझिम तो कभी तेज वर्षा से तापमान गिरा

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सात जुलाई की आधी रात से शुरू हुई वर्षा गुरुवार सुबह तक जारी रही, जिससे भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है। अब 14 जुलाई तक हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बनी हुई है। अधिकतम तापमान घटकर 32 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है।

रात के बाद सुबह भी हल्की और तेज वर्षा का क्रम जारी रहा। इससे हाइवे और सर्विस रोउ पर जलभराव का नजारा दिखा, लोगों को परेशानी हुई। वाहन चालकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं, करीब 85 मिलीमीटर तक वर्षा होने से किसान

टाउनशिप के सर्विस रोड पर भरे वर्षा के पानी से निकलते वाहन।

खुश हो गए। लगातार हो रही वर्षा खरीफ फसलों के लिए लाभदायक है। धान की रोपाई कर रहे किसानों को बड़ी राहत मिली है। उनका सिंचाई का खर्च कम हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने जिले के लिए अगले पांच दिनों का मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, कल से 11 जुलाई के बीच घने बादल छाए रहेंगे। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ–साथ कुछ इलाकों में भारी वर्षा होगी। गरज–चमक और तेज हवाओं के साथ आंधी–तूफान और बिजली गिरने (वज्रपात) की आशंका है। जिले का अधिकतम तापमान 32 से 35 और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जो सामान्य के आसपास रहेगा।

तीन बाइक चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल से जाते तीन युवकों को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। नौहझील पुलिस निषाद चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर तीन युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने चेकिंग के लिए उन्हें रोक लिया। गाड़ी के कागजात मांगने पर युवक बौखला गए। पुलिस ने पुछ–ताछ की तो बाइक को चोरी की बताया। पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में अभियुक्त श्याम सिंह, करनल उर्फ कान्हा निवासीगण अयोध्या कुंज कॉलोनी बाजना रोड, लक्की निवासी चामुंडा चौराहा नौहझील है।

खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता 12 जुलाई को

यूनिक समय, मथुरा। जिला क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में अंडर 16 उम्र के पहलवानों के लिए इस वर्ष भी खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन बीएसए कॉलेज में किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण जिले का कोई भी पहलवान प्रतिभाग कर सकता यह जानकारी देते हुए सोनू भगवान भरऊ ने बताया कि पहलवानों को अपने साथ ओरिजिनल आधारकार्ड लेकर उपस्थित होना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में स्थानीय पहलवानों को आगे बढ़ाने के लिए यह मंच दिया जा रहा है। कोच भूपेन्द्र मिश्रा के अनुसार, जिला कुमार केसरी 30 से 36, बाल जिला चैंपियन 37 से 45, बाल जिला केसरी से 46 से 53 और बाल जिला भीम केसरी 54 से 62 किलोग्राम तक के पहलवान प्रतिभाग कर सकेंगे, जबकि उम्र की गणना 11 जुलाई 2020 से की जाएगी, विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार के साथ–साथ प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।